पटना ●रविवार, 06 अक्टूबर 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:266 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण... 3 www. bordernewsmirror.com जिगरा को सेंसर बोर्ड से यूए... 7

चतुर्थ मां कूष्माण्डा

कू' का अर्थ है छोटा, 'ष्' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

भारत का कमाल, शॉर्ट रेंज डिफेंस सिस्टम किया तैयार

कहीं से भी लॉन्च हो सकेगा, लाना-ले जाना बेहद आसान, पोखरण में सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में बेहद कम दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम के तीन सफल परीक्षण किए। यह चौथी पीढ़ी का डिफेंस सिस्टम है। इसे बेहद कम दूरी पर कम ऊंचाई वाले हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए बनाया गया है। इस मिसाइल और लॉन्चर को ऐसे डिजाइन किया गया है कि इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सके। इससे पहले फरवरी, 2024 और सितंबर, 2022 में भी ओडिशा के चांदीपुर परीक्षण रेंज से इसी तरह की मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए गए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को हालिया परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय सेना को चौथी पीढ़ी की वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलों के परीक्षण के लिए बधाई दी। वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें किसी भी बड़े शहर या स्ट्रेटजिकली इंपोर्टेंट लोकेशन की सेफ्टी के लिए जरूरी हैं। इसे रिसर्च सेंटर इमरत, हैदराबाद ने डीआरडीओ और भारतीय कंपनियों के सहयोग से बनाया है। भारतीय सेना का मौजूदा स्टॉक, जैसे एयर डिफेंस गन्स एम-70 और एफ-23, चार दशक से ज्यादा पुराने हैं। भारत ने इसी साल मई में स्वदेशी रुद्रम-आईबी एयर-टु-ग्राउंड मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। ओडिशा के तट से सुखोई-30 के-एच फाइटर प्लेन से इसे लॉन्च किया गया। डीआरडीओ की बनाई 350 किमी की स्ट्राइक रेंज वाली ये मिसाइल नई जेनेरेशन की एंटी-रेडिएशन मिसाइल है, जो जमीन पर बने दुश्मन के सर्विलांस, कम्युनिकेशन, रडार और कमांड और कंट्रोल सेंटर्स को नष्ट कर सकती है। यह लॉन्चिंग से पहले और उसके बाद भी टारगेट को लॉक कर सकती है।

अब बंगाल में चौथी क्लास की बच्ची से बलात्कार के बाद हत्या

ट्यूशन से लौट रही थी घर, नदी किनारे मिला शव, जमकर बवाल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में कक्षा 4 की छात्रा से बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्यूशन से घर लौटते वक्त लड़की के साथ इस वारदात को अंजाम दिया गया। शनिवार की सुबह कृपाखाली गांव में गंगा नदी के किनारे उसका शव मिला। पुलिस का कहना है कि पीड़िता शुक्रवार शाम को लापता हो गई, जिसे लेकर आधी रात को केस दर्ज किया गया था। शुरुआती जांच के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। बारुईपुर के पुलिस

अधीक्षक पलाश ढाली ने कहा कि शुक्रवार रात 9 बजे लड़की के लापता होने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद जांच शुरू कर दी गई, जिससे संदिग्ध की पहचान हो सकी। आधी रात तक एफआईआर दर्ज कर ली गई।

एग्जिट पोल

हरियाणा के 8 पोल में कांग्रेस सरकार के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म हो चुकी है। अब तक हरियाणा के 8 और जम्मू-कश्मीर के 5 एग्जिट पोल सामने आए हैं। हरियाणा के सभी 8 एग्जिट पोल में कांग्रेस की सरकार बनती दिख रही है। भाजपा के 21 सीटों तक सिमटने के आसार हैं। जम्मू-कश्मीर के एग्जिट पोल में से 3 में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनती दिख रही है।

एक में पीडीपी के सबसे बड़ी पार्टी बनने के अनुमान हैं। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की 90-90 सीटों पर वोटिंग पूरी हो चुकी है। नतीजों का ऐलान 8 अक्टूबर को होगा। इन राज्यों में सरकार बनाने के लिए 46 सीटों पर जीत की जरूरत है। चुनाव से पहले सिर्फ दो एजेंसियों ने ओपिनियन पोल कराए थे। हरियाणा में टाइम्स नाउ-मैट्रिज के ओपिनियन पोल में त्रिशंकु विधानसभा के आसार हैं। जम्मू और कश्मीर में लोकपोल ओपिनियन सर्वे के मुताबिक, कांग्रेस और एनसी की सरकार बनती दिख रही है।

यूक्रेन हो या ईरान, सबको पीएम मोदी से ही है आस

- ईरानी राजदूत बोले-भारत ही मना सकता है इजरायल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान द्वारा इजरायल पर 200 मिसाइलों से हमला करने के बाद पश्चिम एशिया में ना सिर्फ भारी तनाव पसरा हुआ है बल्कि बड़े पैमाने पर भयानक युद्ध की आशंका भी घर कर रही है। इस बीच, भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने क्षेत्र में स्थिरता और शांति की बहाली कराने में भारत से हस्तक्षेप करने की मांग की है।

ईरानी राजदूत ने कहा, भारत को इस अवसर का लाभ उठाकर इजरायल को क्षेत्र में अपनी आक्रामकता रोकने और शांति और स्थिरता कायम करने के लिए राजी करना चाहिए।

ईरानी राजदूत ने कहा कि उनके देश और इजराइल के बीच तनाव को सिर्फ भारत ही कम करवा सकता है। बता दें कि भारत के दोनों देशों से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यही वजह है कि ईरानी राजनयिक भारत सरकार से पश्चिम एशिया संकट में शामिल सभी पक्षों से तनाव कम करने और कूटनीति और बातचीत के माध्यम से मुद्दों को हल करने का आग्रह कर रहे हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की थी, जब इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह आतंकियों के खिलाफ अपने उत्तरी पड़ोसी लेबनान में संघर्ष के लिए एक नया मोर्चा खोला था।

पार्टी चाहेगी तो अगली मुलाकात मुख्यमंत्री के रूप में होगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जारी मतदान के बीच राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने शनिवार को कहा कि पार्टी चाहेगी तो वह मुख्यमंत्री बनेंगे। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के दिन मीडिया से बातचीत में

विज ने कहा, पार्टी चाहेगी तो आपसे अगली मुलाकात मुख्यमंत्री के रूप में होगी। उन्होंने दावा किया कि सरकार भारतीय जनता पार्टी की ही बनेगी। उनके मुख्यमंत्री पद पर दावा करने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि उन्होंने कभी मुख्यमंत्री पद पर दावा नहीं किया। जब 2014 में भाजपा की सरकार बनी, तब भी वह मुख्यमंत्री बनाए जा सकते थे क्योंकि कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल (2009-2014) में वह भाजपा विधायक दल के नेता थे।

महाराष्ट्र के अमरावती में पुलिस पर पथराव, 21 पुलिसवाले घायल

1200 लोगों पर केस दर्ज, हिंदू संत के विवादित बयान से भड़के लोगों ने किया पथराव

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती में शुक्रवार देर रात को नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन पर पथराव हुआ। इसमें 21 पुलिसवाले घायल हुए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति को संभाला। दरअसल, 29 सितंबर को गाजियाबाद में नरसिंहानंद महाराज ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित बयान दिया था। इससे गुस्साई भीड़ ने शुक्रवार देर रात पुलिसवालों पर पत्थरबाजी की। अमरावती पुलिस कमिश्नर नवीन चंद्र रेड्डी ने बताया कि रात करीब 8.15 बजे कुछ लोग नरसिंहानंद के खिलाफ केस दर्ज कराने नागपुरी गेट पुलिस स्टेशन आए। थाना प्रभारी ने उन्हें बताया कि नरसिंहानंद के खिलाफ एफआईआर पहले ही दर्ज हो चुकी है।

युवाओं को नशे में धकेल कर चुनाव लड़ना चाहती है कांग्रेस

प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के वाशिम में जमकर साधा निशाना

वाशिम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम जिले में थे। यहां उन्होंने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया और इसके बाद एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा,बीजेपी अपनी नीतियों के जरिए हाशिए पर पड़े समुदायों का उत्थान करना चाहती है, जबकि कांग्रेस केवल लूटपाट करना और गरीबों को गरीबी में रखना जानती है। आप सभी को कांग्रेस से सावधान रहना चाहिए। आज कांग्रेस पूरी तरह से अर्बन नक्सली गिरोह द्वारा चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम में कृषि और पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी करीब 23,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की है। पीएम मोदी

ने महाराष्ट्र के वाशिम में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का मानना है कि अगर सभी एकजुट हो गए तो देश को बांटने का उनका एजेंडा विफल हो जाएगा, इसलिए वे हमारे बीच संघर्ष पैदा करना चाहते हैं। पूरा देश कांग्रेस के खतरनाक एजेंडे को देख रहा है। उनका समर्थन कौन कर रहा है। जो लोग भारत की प्रगति को रोकना चाहते हैं, वे अब कांग्रेस के सबसे करीबी सहयोगी हैं। इसलिए, यह एकता का समय है, क्योंकि हमारी एकता ही देश को बचाएगी। पीएम ने कहा कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस पार्टी पर जिस परिवार का कब्जा रहा है, उनकी सोच हमेशा विदेशी रही है। ब्रिटिश शासकों की तरह ही विदेशी सोच वाले इस परिवार ने कभी भी दलितों, पिछड़े वर्गों और आदिवासियों को समान नहीं समझा।

पैगंबर मोहम्मद पर नरसिंहानंद की टिप्पणी से यूपी में बवाल

- यूपी में कई जगह पथराव, असदुद्दीन ओवैसी बोले-उनकी जमानत रद्द हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद के डासना शिवशक्ति धाम के महंत और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी करने के बाद फिर से चर्चा में बने हुए हैं। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने इस मामले में यति नरसिंहानंद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मेरे साथ एआईएमआईएम विधायकों ने हैदराबाद के कमिश्नर सीवी आनंद से मुलाकात की। हमने एक ज्ञापन भी दिया है। इसमें

हमने मांग की है कि यति नरसिंहानंद सरस्वती ने अपने एक भाषण में एक वीडियो में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। उन्होंने आगे कहा कि पहले भी वह ऐसी टिप्पणियों के लिए जेल जा चुके हैं। उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हमने सोशल मीडिया से अपमानजनक सामग्री को हटाने की भी मांग की है।

भारत की मदद से मॉरिशस को मिले अपने आईलैंड

- पीएम जुगनॉथ ने मोदी को धन्यवाद दिया, चागोस पर 50 साल से था ब्रिटेन का कब्जा

डियोगो गार्सिया (एजेंसी)। ब्रिटेन से चागोस द्वीप हासिल करने के बाद मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनॉथ ने भारत सरकार और पीएम मोदी का धन्यवाद दिया है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि सभी साथी देशों ने उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई में उनका साथ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चागोस द्वीप को लेकर ब्रिटेन और मॉरीशस के बीच लगभग 50 सालों से विवाद चल रहा था। भारत दोनों के बीच लंबे समय से इस समझौते की कोशिश कर रहा था। समझौते के बाद भारत ने दोनों पक्षों का स्वागत किया है। ब्रिटेन और मॉरीशस ने 60 द्वीपों से मिलकर बने चागोस द्वीप समूह को लेकर गुरुवार को एक समझौता किया। इसके मुताबिक चागोस द्वीप मॉरीशस को दिया जाएगा। चागोस द्वीप पर डिएगो गार्सिया आइलैंड भी है। यहां पर

अमेरिका और ब्रिटेन ने ज्वाइंट मिलिट्री बेस बना रखा है। 99 साल तक के लिए अमेरिका-ब्रिटेन का बेस यहां पर बना रहेगा।

मिडिल-ईस्ट की जंग का फायदा नहीं, हो रहा नुकसान

- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने समझाया निष्पक्ष रहने का मतलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में चल रहे हमास और इजरायल के बीच के संघर्ष ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारी चिंता पैदा कर दी है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा

है कि यह संघर्ष सिर्फ एक क्षेत्रीय समस्या नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इसे गहरी चिंता का विषय बताया, जिससे भारत समेत पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। जयशंकर ने साफ कहा कि भारत मिडिल ईस्ट की इस जंग का फायदा नहीं उठा रहा है बल्कि इससे उसे नुकसान ही हो रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, मध्य पूर्व आज एक अवसर नहीं, बल्कि गहरी चिंता का क्षेत्र है। संघर्ष बढ़ता जा रहा है और इसका असर केवल वहीं नहीं, बल्कि पूरे विश्व पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल सप्लाई चैन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में 2 घंटे में 31 नक्सली किए गए ढेर

1000 जवान लाशें 40 किमी कंधे पर लादकर ले गए, रोटी-मैगी खाकर सफर पूरा किया

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया। करीब 1000 जवानों ने महज 2 घंटे की मुठभेड़ में ही 31 नक्सलियों को मार गिराया। सभी के शव

अब तक का सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन, सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के जवान 3-4 पहाड़ और नदी-नाले पार कर नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे थे। पूर्वी बस्तर डिवीजन कमेटी की लीडर नीति के मारे जाने की खबर है। नीति पर 8 से 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। जवान अब भी मौके पर ही मौजूद हैं। सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ सकती है। इसे अब तक सबसे बड़ा एंटी नक्सल ऑपरेशन बताया जा रहा है। इससे पहले कांकेर में 29 माओवादी मारे थे। भारी बारिश की वजह से नक्सलियों को जवानों के आने की भनक भी नहीं लग पाई। वहीं 4 अक्टूबर को दोपहर एक बजे जवान नक्सलियों के बेहद करीब पहुंच गए थे, जिसके बाद जवानों ने ही फायरिंग की। सूत्रों ने बताया कि नक्सली जवानों के रडार पर थे। जवानों के साथ महिला कमांडो भी गुरुवार से ऑपरेशन में साथ थीं। अलग-अलग टीम बनाई गई। भूख मिटाने के लिए मैगी के पैकेट दिए गए। सभी टीमें एक पॉइंट तक गाड़ियों से पहुंचीं। इसके बाद 40 किलोमीटर तक जवान पैदल चले और उस जगह पहुंचे, जहां नक्सलियों की मौजूदगी थी। लोकेशन कन्फर्मेशन के बाद हाईकमान को सूचित किया गया। ऑर्डर मिलने के बाद एनकाउंटर को अंजाम दिया गया। शुरुआत के 10 से 15 मिनट के अंदर ही जवानों ने 7

नक्सलियों को ढेर कर दिया था। नक्सली एक तरफ से दूसरी तरफ भागने लगे तो दूसरी तरफ मौजूद पुलिस पार्टी ने उन्हें घेरकर मारा। गुरुवार देर शाम तक पुलिस ने कुल 31 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए थे।

ऑपरेशन के बाद नक्सलियों की बॉडी लाने की कश्मकश

एनकाउंटर के बाद जवानों की टीम छोटी-छोटी टुकड़ियों में लौट रही है। इनमें महिलाओं के कंधे पर भी नक्सलियों के शव हैं और 6-6 किलो की राइफल। छोटा सा स्टोव भी। जहां जगह मिली, शवों को रखकर ये टुकड़ियां मैगी बनाकर अपना पेट भर रही हैं। इसी साल 16 अप्रैल को बस्तर के कांकेर में जवानों ने 29 माओवादियों को मार गिराया था। तब यह नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा और सफल ऑपरेशन था। 4 अक्टूबर को हुए एनकाउंटर में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। यह नक्सल हिस्ट्री का सबसे बड़ा और सफल अभियान था। ऑपरेशन में 3 फोर्स लगाई थी। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड्स (डीआरजी) और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ)। सीआरपीएफ को सिर्फ बैकअप के लिए रखा गया था। एसटीएफ और डीआरजी ने मुठभेड़ में भाग लिया। सबसे बड़ी भूमिका डीआरजी की रही। डीआरजी में वे लोग शामिल हैं, जो पहले नक्सली थे। नक्सलियों के रूप में जिनकी जंगलवार ट्रेनिंग हो चुकी है।

गुरुजी करेंगे लाल पेन का उपयोग, सभी आरडीडीई डीईओ और डीपीओ को विभाग का निर्देश

पटना,एजेंसी। बिहार सरकार ने राज्य के प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 8) में शिक्षण गुणवत्ता सुधारने और छात्रों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। शिक्षा विभाग ने आरडीडीई, डीईओ और जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया है कि अब से कक्षा 1 से 8 के छात्रों के गृह कार्य और कक्षा कार्य का मूल्यांकन लाल पेन से किया जाएगा। इस दिशा में उठाए गए कदम से शिक्षा में सुधार की उम्मीद की जा रही है। शिक्षा विभाग ने 'शिक्षक मार्गदर्शिका' के तहत यह सुनिश्चित किया है कि सभी शिक्षक गृह कार्य और कक्षा कार्य के मूल्यांकन के लिए लाल पेन का इस्तेमाल करेंगे, ताकि छात्र शिक्षकों द्वारा किए गए सुधार, टिप्पणियों और सुझावों को आसानी से पहचान सकें। इससे न केवल छात्रों की गलतियों की पहचान होगी बल्कि वे दिए गए सुझावों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे, जिससे उनकी सीखने की प्रक्रिया में सुधार आएगा। अपने कार्यों में सुधार के प्रति जागरूक होंगे छात्र पदाधिकारियों ने बताया कि इस निर्णय के पीछे शिक्षा विभाग की मंशा यह है कि छात्रगण अपने कार्यों में सुधार के प्रति जागरूक हों और उन्हें समझ में आए कि किस प्रकार की त्रुटियों पर ध्यान देना आवश्यक है। यह कदम शिक्षा गुणवत्ता के मानकों को बढ़ाने के लिए उठाया गया है, जिसमें छात्रों की लेखन क्षमता और गृह कार्य पर विशेष ध्यान दिया गया है।जानकारों ने बताया कि शिक्षा विभाग के इस आदेश से यह उम्मीद की जा रही है कि राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव आएगा।

गृह कार्य देने में लापरवाही पर प्राचार्य हो चुके है सस्पेंड

गृह कार्य देने में लापरवाही पर एक एचएम सस्पेंड हो चुके हैं जबकि कई कार्रवाई की रडार पर हैं क्योंकि निरीक्षण के दौरान पदाधिकारी भी गृह कार्य देने और जांच करने की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। मालूम हो कि सरकारी स्कूलों में गृह कार्य बच्चों को देने की परंपरा समाप्त हो गयी थी। सरकार के निर्देश पर अफ़सर भी निरीक्षण के दौरान शिक्षकों द्वारा गृह कार्य देने व उसकी जांच पर विशेष निगरानी रख रहे हैं।

मुख्य निर्देश

कक्षा 1 से 8 के सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों को लाल पेन का उपयोग कर गृह कार्य और कक्षा कार्य का मूल्यांकन करना अनिवार्य होगा।

विद्यालय प्रधान व अन्य संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि सभी शिक्षक नियमित रूप से गृह कार्य का मूल्यांकन कर रहे हैं।

जिन छात्रों को गृह कार्य और कक्षा कार्य नहीं मिल रहा है, उन छात्रों को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया गया है।

छह लाख और पीएम आवास चाहिए बिहार सरकार ने केंद्र से की मांग

पटना,एजेंसी। बिहार ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत और छह लाख आवास का लक्ष्य वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए केन्द्र सरकार से मांगा है, ताकि अधिक से अधिक गरीबों के लिए पक्के मकान का निर्माण कराया जा सके। मालूम हो वर्तमान वर्ष के लिए केंद्र सरकार ने दो लाख 43 हजार आवास का लक्ष्य दिया है। इनके घरों के निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। पहले कराए गए सर्वे के बाद बनी प्रतीक्षा सूची में 13.55 लाख लाभुकों के नाम बचे थे, जिन्हें आवास मुहैया कराया जाना है। इनमें से 2.43 लाख को वर्तमान वर्ष में आवास देने का लक्ष्य केन्द्र सरकार ने दिया है। लक्ष्य के अनुरूप ही ग्रामीण विकास विभाग उतने लाभुकों के आवास निर्माण की स्वीकृति देता है। इस तरह 2.43 लाख को स्वीकृति देने के बाद अब भी 11.12 लाख लाभुकों को आवास देना शेष रह जाएगा। इसको देखते हुए विभाग ने केन्द्र सरकार से छह लाख अतिरिक्त आवास बनाने का लक्ष्य देने का आग्रह किया है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान वर्ष में 2.43 लाख का मिले लक्ष्य के विरुद्ध दो लाख से अधिक लाभुकों के आवास निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें एक लाख लाभुकों के खाते में पहली किस्त के रूप में 40-40 हजार रुपये हस्तांतरित भी कर दिये गए हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 से अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत बिहार में 36 लाख 53 हजार पक्के मकान गरीबों के लिए बनाए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत इस साल नया सर्वे भी होना है। इस सर्वे में नए लाभुकों की सूची बनायी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

दानापुर में मोबाइल दुकानदार की हत्या:तीन संदिग्ध को पुलिस ने हिरासत में लिया

6 लाख के विवाद में अपराधियों ने मारी 3 गोली

पटना,एजेंसी। दानापुर में शुक्रवार देर रात बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने 3 गोली मारी है, जिससे मौके पर ही युवक की मौत हो गई। 6 लाख रुपए के लेनदेन में वारदात को अंजाम दिया गया है। पूछताछ के लिए पुलिस ने 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान विक्रम थाना क्षेत्र निवासी कमल किशार उर्फ कारू सिंह के पुत्र करण कुमार(24) के तौर पर हुई है। करण गोला रोड में मोबाइल का दुकान चलाता था। दुकान बंद करने के बाद अपने स्टाफ को छोड़ने के लिए सगुना मोड़ जा रहा था। इस बीच अपराधियों ने गोली मार दी। जानकारी के मुताबिक मृतक रुपए लेनदेन का काम करता था। उसने परिचित शर्मा को 6 लाख रुपए उधार दिए थे। कई बार मांगने के बाद भी नहीं देर रहा था। परिचित शर्मा लगातार रुपए देने में टालमटोल कर रहा था। कुछ दिन पहले इस बात को लेकर दोनों के बीच बहस भी हुई थी। परिजनों को आशंका है इसी विवाद में उसने रूपेश कुमार के साथ मिलकर हत्या की प्लानिंग की है। गोली लगते ही करण बाइक सहित जमीन पर गिर पड़े। स्टाफ आदित्य ने परिजनों और डायल-112 को घटना की सूचना थी। जानकारी मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

2 अपराधियों ने भइया को गोली मारी

मृतक के भाई अर्जुन कुमार ने बताया कि भइया रोज की तरह रात में करीब 10 बजे दुकान बंद करके अपने स्टाफ के साथ लौट रहे थे। हमेशा स्टाफ आदित्य को उसके घर छोड़कर डीपीएस मोड़ स्थित अपने फ्लैट पर आते थे। रात में स्टाफ ने कॉल करके बताया की बाइक सवार 2 अपराधियों ने अचानक भइया पर गोली चला दी। आनन-फानन में हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे।

6 लाख के विवाद में हत्या : पिता कमल किशोर उर्फ कारू सिंह ने दानापुर थाने में लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने बताया है कि 6 लाख रुपए के विवाद में बेटे की हत्या की गई है। रूपेश कुमार और परिचित शर्मा पर हत्या की साजिश रचने की आशंका है। रूपेश कुमार बिक्रम थाना क्षेत्र के हरपुरा और परिचित शर्मा दनारा का रहने वाला है। जो वर्तमान में सगुना मोड़ न्यू मैनपुरा ललित खटाल के पास रहता है। इन्होंने ने ही मेरे पुत्र की हत्या करवाई है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है : वहीं, सिटी एसपी पश्चिमी सरथ आर एस ने बताया की रात्रि 10 बजे के करीब आरपीएस मोड़ के पास अपराधियों ने करण नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। मामले की जांच दानापुर एएसपी दीक्षा भावरे को सौंपी गई है। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना कॉलेज से हथियार के बल पर छात्र का अपहरण, हॉस्टल ले जाकर जमकर पीटा, गंभीर हालत में पीएमसीएच में भर्ती

पटना,एजेंसी। पटना कॉलेज के ज्योग्राफी डिपार्टमेंट के पास से सैदपुर हॉस्टल के छात्रों ने हथियार के बल पर छात्र अमन कुमार लाल को अगवा कर लिया। बाइक पर बिठाकर सैदपुर हॉस्टल ले गए और उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। मामले की सूचना मिलते ही पीरबहोर, बहादुरपुर पुलिस और डायल 112 की टीम ने सैदपुर में छापेमारी की। हॉस्टल के एक कमरे से अमन को बरामद कर पीएमसीएच में भर्ती कराया। हॉस्टल के एक-एक कमरे की तलाशी ली। इस दौरान चार संदिग्ध छात्रों को हिरासत में लिया गया है। पीरबहोर थाने में पूछताछ चल रही है। अमन गर्दनीबाग का रहने वाला है। पटना कॉलेज से ज्योग्राफी में ऑनर्स किया है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत के नेतृत्व में टाउन डीएसपी-1 अशोक कुमार सिंह की टीम ने भी छापेमारी की। सूत्रों की मानें तो अमन को अगवा करने के लिए चार बाइक से हथियार के साथ लड़के पटना कॉलेज पहुंचे थे। बेगूसराय और समस्तीपुर के छात्र उनका नेतृत्व कर रहे थे। अमन को अगवा कर पिटाई करने का मामला छात्र हर्ष राज हत्याकांड से जुड़ गया है। टाउन डीएसपी ने बताया कि हर्ष राज हत्याकांड में आरोपी चंदन कुमार का स्टेटस लगाने के कारण बदले की भावना से यह काम किया गया है। हर्ष राज के हत्या के मामले में पुलिस ने चंदन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दिवाली की बख्शीश को लेकर किन्नरों के गुटों में झड़प:लाठी-डंडे के हमले में 6 किन्नर घायल

गुट बदलने को लेकर भी दोनों ओर से विवाद

समस्तीपुर,एजेंसी। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के समर्था कल्याणपुर बाजार में शुक्रवार शाम दीपावली की बख्शीश मांगने को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में लाठी डंडे और हॉकी स्टिक से एक-दूसरे पर वार किया गया। जिसमें 6 किन्नर जख्मी हो गए। इसके अलावा गुट बदलने को लेकर भी दोनों ओर से विवाद चल रहा था।

जख्मी किन्नर को दलसिंहसराय के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर रूप से जख्मी किन्नरों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पक्ष से सुमन किन्नर, खुशी किनर और गुड़िया किन्नर शामिल है, जबकि दूसरे पक्ष से बबली किन्नर, तिरु बैठा और सपना किन्नर शामिल है।

दूसरे गुट में जाने को लेकर विवाद

घटना के संबंध में सुमन किन्नर ने बताया कि वह रजिया किन्नर के गुट में है। उसका इलाका दलसिंहसराय विभूतिपुर का है। वह अपने इलाके के समर्था कल्याणपुर बाजार में दीपावली को लेकर बख्शीश मांग रही थी। बाजार में बख्शीश मांगकर वे लोग वहां से निकलने ही वाले थे कि सपना किन्नर के गुट ने इन लोगों पर हमला बोल दिया। जिसमें मैं और मेरे अलावा दो और किन्नर जख्मी हो गईं। सुमन का कहना है कि पहले मैं सपना किन्नर के ही गुट में थी। सपना किन्नर नहीं लड़का है ये जानकारी जब मिली तो मैं उसके गुट से अलग होकर रजिया के गुट में चली गई। इसी बात को लेकर वह नाराज चल रहा था। उधर दूसरे गुटके घायल किन्नर का उपचार दलसिंहसराय के अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। उधर, सदर अस्पताल प्रशासन ने मामले की जानकारी नगर पुलिस को दी है।

आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी

विभूतिपुर थाना अध्यक्ष आनंद कश्यप ने बताया कि किन्नरों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है सभी लोगों को दलसिंहसराय के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से सदर अस्पताल भेजा गया है। अभी किसी भी पक्ष का आवेदन नहीं आया है बयान आने पर इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

बगहा में राजस्वकर्मी का रिश्वत लेते वीडियो वायरल कागजात निकालने के नाम पर मांगे थे रुपए

बगहा (वाल्मिकीनगर),एजेंसी। बगहा के ठकराहा अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। जहां एक वीडियो में राजस्व कर्मी जगई राम खुलेआम रिश्वत लेते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जिसमें राजस्व कर्मी ने भूमि से जुड़े दस्तावेजों का काम कराने के लिए 500 रुपए की मांग की। वीडियो के सामने आने से अंचल कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है।

पहले ठुकराया, फिर स्वीकार किए

वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति, जो अपने भूमि के दस्तावेज़ संबंधी काम के लिए कार्यालय पहुंचा था, उसने जगई राम से बातचीत शुरू की। बातचीत के दौरान कर्मचारी जगई राम ने ÷माल द, माल द÷ (पैसा दीजिए) कहकर 500 रुपए की मांग की। जब व्यक्ति ने पहले 100 रुपए देने की कोशिश की, तो कर्मचारी ने इसे अस्वीकार कर दिया। लेकिन थोड़ी देर बाद वही 100 रुपये अटॉर्नी के माध्यम से स्वीकार कर लिए गए। बात यहीं खत्म नहीं हुई। इसके बाद कर्मचारी ने और पैसे की मांग की, जिसके बाद व्यक्ति ने 100 रुपये और दिए। यह रकम लेने के बाद, कर्मचारी ने काम करने का आश्वासन दिया और दस्तावेज़ तैयार करवाए। इसके साथ ही, व्यक्ति ने कहा कि दही खिलाएंगे , जिस पर कर्मचारी हंसते हुए तैयार हो गए।

दस्तावेज़ तैयार करने के बाद निर्देश

वीडियो के अंत में, जगई राम अपने अटॉर्नी से बात करते हैं, कुछ नंबर नोट करते हैं और व्यक्ति को दस्तावेज़ सौंपते हुए कहते हैं कि ÷ऑफिस में जाइए और कहिए हकीम भेजे हैं।÷ यह पूरी बातचीत और कार्रवाई राजस्व कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है, जहां बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो रहा।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

ठकराहा अंचल के सीओ सुमित राज ने इस मामले पर कहा कि वीडियो की सत्यता की जांच की जाएगी। अगर वीडियो में सच्चाई है तो कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा है कि जब से सर्वे का काम आया है तब से लोगों का भीड़ अंचल कार्यालय में बढ़ गया है। लोग तरह-तरह की कागज का डिमांड कर रहे हैं। जिसका उत्तर आंचल में नहीं है उसे भी दिखाने के लिए बोल रहे हैं। वीडियो आने के बाद अब लोग तरह-तरह के सवाल उठा रहे हैं। इस तरह के भ्रष्टाचार के चलते क्षेत्र में चल रहे भूमि सर्वे और दाखिल-खारिज प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि भ्रष्टाचार के इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाए।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वय से योजनाओं का कार्यान्वयन हो : डिप्टी सीएम

जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक में उपमुख्यमंत्री ने दिए कई अहम निर्देश

पटना,एजेंसी। पटना जिले के प्रभारी मंत्री सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना जिले अधिकारियों को जन समस्याओं का जल्द से जल्द निदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच सार्थक समन्वय जरूरी है। हम सभी का एक ही उद्देश्य है कि जन समस्याओं का जल्द-से-जल्द निदान हो। विकास की धारा सभी व्यक्ति तक पहुंचे। पटना जिले का शहर का हर मोहल्ला और हर गांव सुंदर बने। इसके लिए हम सभी को सजग रहना है। वे शुक्रवार को ज्ञान भवन सभागार में पटना जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। फुलवारी के विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि पटना जिले में गरीब राशनकार्डधारियों को 5 किलोग्राम अनाज नहीं मिल रहा है। सरकारी कर्मचारी द्वारा गोदाम से निकलने वाले प्रति क्विंटल अनाज पर 40 रुपए कमीशन लिया जा रहा है। हर महीने की 20 तारीख को अनाज के उठाव और 1 तारीख को वितरण करने का नियम है। लेकिन वितरण नहीं हो रहा है। उन्होंने जांच के लिए कमेटी गठन करने की मांग की। वहीं, गैरमजरूआ आम जमीन पर बसे गरीबों को सर्वे के दौरान कागज बनाने की मांग की। उन्होंने कहा पटना जिला में नल का जल पूरी तरह से फेल है। इस कारण प्रत्येक विधायक को 200 चापाकल स्वीकृत करने की अनुमति दी जाए। इसी तरह अन्य विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र के छोटी-छोटी समस्याओं से अवगत कराया।

पीपीयू : छात्रों के अंक व प्रमाण पत्रों की होगी जांच, गड़बड़ी पर एफआईआर

19 अक्टूबर तक सत्र 2024-25 में नामांकित छात्रों की जांच कर रिपोर्ट मांगी

पटना,एजेंसी। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 में स्नातक स्नातकोत्तर में नामांकित सभी विषयों (जनरल व वोकेशनल) के सभी छात्रों के नामांकन के दौरान दिए गए अंक व प्रमाण पत्रों की जांच का आदेश दिया। फर्जी नामांकन का मामला प्रकाश में आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन आदेश पत्र जारी करते हुए सभी कॉलेजों व विभागों को सभी नामांकन की वैधता जांच करने का निर्देश दिया है। विवि ने कहा है कि अगर इस दौरान अधिक अंक दर्शाते हुए किसी ने नामांकन ले लिया है तो तत्काल उस पर एफआईआर दर्ज करते हुए नामांकन रद्द करने की अनुशंसा विवि को भेजी जाए।

वहीं अगर कोई शिक्षक या कर्मचारी इस लापरवाही में सम्मिलित है उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए विवि को सूचित करें। अगर जांच में कोई गड़बड़ी नहीं भी पाई जाती है तब भी कॉलेज को उसकी भी रिपोर्ट विवि को भेजना होगा। बीडी कॉलेज से मंगाई गयी है नामांकित छात्रों की सूची : बीडी कॉलेज में 70 छात्र-छात्राओं का डॉक्यूमेंट्स जमा होने के बाद भी उनके नामांकन की वैधता को स्वीकृत नहीं करने की वजह से उनका नामांकन सफल नहीं होने का आरोप छात्रों ने लगाया था। कॉलेज का कहना है कि इन छात्रों ने डॉक्यूमेंट्स ही जमा नहीं किये। स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन ने बताया कि विवि ने इस संबंध में भी बीडी कॉलेज से नामांकित छात्रों की सूची देने को कहा है । इस संबंध में पीपीयू के स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन, प्रो एके नाग ने बताया कि सभी यूजी-पीजी जनरल व वोकेशनल कोर्स में नामांकन के दौरान दिये गये अंक पत्र व प्रमाण पत्रों की जांच और गड़बड़ी पर एफआईआर के निर्देश दिये गये हैं। विवि की नामांकन प्रणाली बिल्कुल ही पारदर्शी है और अगर उसमें किसी व्यक्ति ने अगर किसी भी तरह से छेड़छाड़ की है, जैसा कि जानकारी मिल रही तो विवि उसके प्रति गंभीर है। छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो एके नाग ने सभी प्राचार्यों को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई को कहा है। प्रो नाग के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में भी छात्रों के नामांकन के समय उनके आवेदन में अंकित अंक व मूल अंक से मिलान के बाद ही वैलिडेशन(नामांकन की वैधता को स्वीकृति) का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद भी फॉर्म में अधिक अंक दर्शा कर नामांकन के मामले सामने आए हैं। 19 अक्टूबर तक सत्र 2024-25 में नामांकित सभी स्ट्रीम के छात्रों का उनके मूल अंक प्रमाण पत्र से अंकों की जांच कर रिपोर्ट मांगी गई है। यदि इसमें अंतर पाया जाता है तो तत्काल संबंधित विद्यार्थी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए नामांकन रद्द करने की अनुशंसा विश्वविद्यालय को करनी है। इस मामले में शिक्षक एवं कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए विश्वविद्यालय को सूचित करना है। साथ ही प्राचार्यों को कॉलेज में नामांकित छात्र-छात्राओं के अंकों में कोई गड़बड़ी नहीं मिलता है तब भी इस आशय का पत्र विश्वविद्यालय को भेजना सुनिश्चित करेंगे।

मंत्री हरि सहनी ने लोगों का सुना दुख-दर्द

दरभंगा,एजेंसी। राज्य सरकार के मंत्री हरि सहनी ने शुक्रवार को प्रखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सहनी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बाढ़ प्रभावित गांवों का नाव से भ्रमण किया तथा पीड़ित परिवारों का दुख-दर्द सुना। मंत्री ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के प्रति एनडीए सरकार काफी संवेदनशील है। पीड़ितों को हर संभव सहायता पहुंचायी जा रही है। मंत्री के साथ भाजपा नेता मणि कांत झा, प्रदीप प्रधान, राजकुमार सहनी, शत्रुघ्न सहनी, विष्णु सहनी, डॉ. रामचन्द्र मुखिया, ब्रजनंदन मुखिया आदि नेता भी चल रहे थे।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809
9801344665

संक्षिप्त समाचार

चरस बरामदगी मामले में एक को दस वर्षों का कठोर कारावास

बीएनएम। मोतिहारी। नार्कोटिक्स न्यायालय 2 के विशेष न्यायाधीश नूर सुल्ताना ने शनिवार को घर से चरस बरामदगी मामले में नामजद एक अभियुक्त को दोषी पाते हुए दस वर्षों का कठोर कारावास एवं दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाया है। अर्थ दंड नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा कोटवा थाना के कोटवा निवासी अशेष उर्फ अशेश्वर सिंह के पुत्र राकेश सिंह को हुई। मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष नितिन कुमार ने कोटवा थाना कांड संख्या 221/2021 दर्ज कराते हुए राकेश सिंह को नामजद किया था। जिसमें कहा था कि गुप्त सूचना मिली थी कि नामजद अभियुक्त मादक पदार्थ का विक्रय करते हैं। 15 अगस्त 2021 की संध्या 5.30 बजे पुलिस बल के साथ नामजद अभियुक्त के घर छापेमारी की गई। जांच के दौरान उसके स्टोर रूम से तीन बोरा में रखे 56 किलो चरस बरामद की गई। नामजद अभियुक्त भागने का प्रयास किया , परंतु पुलिस बल ने उसे धर दबोचा। एनडीपीएस वाद संख्या 74/2021 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक डा. शंभू शरण सिंह ने पांच गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद नामजद अभियुक्त को धारा 18 बी ,25 एनडीपीएस एक्ट में दोषी पाते उक्त सजा सुनाए है।

सीएम ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना अंतर्गत हर घर नल का जल योजना की डीएम ने की समीक्षा बैठक

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में शनिवार को जिला लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अभियंताओं के साथ हर घर नल का जल योजना की समीक्षा की गई। समीक्षा में कार्यपालक अभियंता मोतिहारी डिवीजन ने बताया कि जिला पंचायती राज विभाग से नल जल की 3005 योजना पीएचईडी को ट्रांसफर की गई थी जिसमें 2982 योजना को चालू कराया गया था। उसी प्रकार ढाका डिवीजन के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि यहां पर 2541 योजना पंचायती राज विभाग से ट्रांसफर की गई थी जिसमें 2525 योजना को चालू कराया गया था। वर्तमान में कहीं-कहीं पर परिचालन की समस्या आ रही है। यह समस्या स्थानीय पंप ऑपरेटर के स्तर से आ रही है। जिला पंचायत राज कार्यालय से पंप ऑपरेटर की सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है। पीएचईडी को हस्तांतरित योजना में पंप ऑपरेटर का भुगतान पंचायत के माध्यम से किया जाना है। कार्यपालक अभियंता पीएचईडी ढाका डिवीजन ने बताया कि निजी भूमि पर निर्मित पंप का परिचालन भू-स्वामी के द्वारा किया जाएगा जिनके निजी जमीन में पंप स्थापित किया गया है। अगर उनके द्वारा अनिच्छा जाहिर की जाती है तब वार्ड सदस्य के द्वारा इसका परिचालन किया जाना है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा योजना के संबंध में शिकायत के लिए टॉल फ्री नंबर 1800 1231121 जारी किया गया है जिस पर सुबह 6:00 से रात्रि के 8:00 बजे तक शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं इसके अतिरिक्त व्हाट्सएप के माध्यम से एसएमएस करने के लिए 8544429024 नंबर भी जारी किया गया है। जिला स्तर पर मोतिहारी डिवीजन के लिए 0625- 223374 तथा ढाका डिवीजन के लिए 06250- 296049 जारी किया गया है जिस पर कंट्रोल रूम स्थापित है। इस नंबर पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, जिस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। कार्यपालक अभियंताओं के द्वारा बताया गया कि प्रत्येक शनिवार को क्षेत्र भ्रमण कर विभाग के सभी अभियंता दो-दो पंचायत में योजना की जांच करते हैं और पाई गई कमी को दूर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नल जल की सभी योजनाओं की मरम्मती के लिए विभाग के द्वारा निविदा प्रक्रिया पुरी की जा रही है और अक्टूबर माह के अंत तक संवेदक मिलने की संभावना है। इसके बाद मरमती के कार्यों में और तेजी आएगी।

शराब के दो अभियुक्त समेत एक वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहो पर स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार को छापेमारी कर शराब के दो नामजद आरोपी और एक वारन्टी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटी मे राज कुमार महतो, मटीयरियाअभियुक्त खेदु राम पिता नगीना राम कृतपुर- मठिया, आशनारायन दास पिता प्रभु महतो मठलोहियर के निवासी बताया गया है। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापमारी कर वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है। छापेमारी में शिखा कुमारी, संतोषी कुमारी इत्यादि पुलिस बल शामिल थे।

नदी में डूबने से युवक की मौत

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के भोपतपुर ओपी थाना के जगीरहा बैरिया में शौच के लिए गए युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सिपाही राय के 42 वर्षीय पुत्र अजय कुमार के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची भोपतपुर ओपी थाना पुलिस ने शव को नदी से निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जाता है कि मृतक शनिवार को शौच के लिए गांव के समीप से गुजरने वाली नदी के किनारे गया था। जहां उसका पैर फिसल गया और वह नदी के गहरे पानी में चला गया। इस बीच डूबने से उसकी मौत हो गई। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनो ने उसकी खोजबीन की। इस बीच ग्रामीणों ने नदी किनारे शव उपलाता हुआ देख कर पुलिस को सूचना दी। जगिरहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि हितलाल यादव ने बताया कि इसकी सूचना पुलिस व अंचल कार्याकय को दी गई है। प्रशासन से उसके परिवार को सहायता की मांग किया गया है। मौत की खबर सुनते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी का रो रो कर बुरा हाल था। मृतक अपने पीछे पत्नी के अलावा पांच पुत्री व दो पुत्र छोड़ गया है। इस बाबत ओपी थानाध्यक्ष प्रत्युष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दशहरा पूजा को लेकर डीएम व एसपी ने पूजा पंडालों का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। दुर्गा पूजा के सुअवसर पर डीएम सौरभ जोरवाल और एसपी स्वर्ण प्रभात के द्वारा शहर के सभी पूजा पंडाल का निरीक्षण किया गया किया। निरीक्षण के दौरान पूजा समिति को सभी आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। डीएम श्री जोरवाल ने कहा है कि सभी जगह होंगे हमारे अधिकारी, सीसीटीवी से रखी जाएगी सभी पर नजर। एसपी ने कहा है कि पूजा पंडालों मे महिला वोलेंटियर की तैनाती की जाएगी। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। आसामजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए सिविल पुलिस बल को शहर के चारो तरह फैलाया गया है।

विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक शनिवार को प्रखंड कार्यालय में लगेगा कैंप

कंट्रोल रूम नंबर 9031633795 पर विद्युत संबंधी समस्या की दी जा सकेगी जानकारी, किया जाएगा निराकरण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरव जोरवाल की अध्यक्षता में शनिवार को उनके कार्यालय कक्ष में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि विद्युत उपभोक्ताओं के समस्याओं के निराकरण के लिए कैंप लगाई जाए और कंट्रोल रूम नंबर जारी किया जाए। इस पर कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल मोतिहारी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को कार्यालय अवधि में सभी प्रखंड कार्यालय में विद्युत समस्या निराकरण कैंप लगाया जाएगा। जहां पर विद्युत उपभोक्ता बिजली के तार, पोल, ट्रांसफार्मर, स्मार्ट मीटर, नॉर्मल बिलिंग और नया कनेक्शन इत्यादि समस्या की जानकारी देंगे। उस पर तक्षण कार्रवाई करते हुए समस्या का निराकरण कराया जाएगा। कैंप में सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता के साथ-साथ एक टीम रहेगी जो आवेदन प्राप्त करेगी और जांचों परांत शीघ्रता से समस्या निराकरण करेगी। उन्होंने बताया कि मोबाइल नंबर- 9031633795 पर फोन कर भी शिकायतें दर्ज कराई जा सकेगी, जिसका निराकरण शीघ्रता के साथ कराई जाएगी। स्मार्ट मीटर के लाभ को बताते हुए कार्यपालक अभियंता ने कहा कि सभी पुराने मीटर को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है एवं स्मार्ट मीटर लगाने के समय उपभोक्ता से कोई शुल्क नहीं ली जाती है। स्मार्ट मीटर द्वारा नए विद्युत कनेक्शन स्थापित करने के लिए किसी प्रकार का प्रतिभूति राशि नहीं ली जाती है बल्कि पहले से लिए गए प्रतिभूति की राशि को स्मार्ट मीटर लगने के उपरांत वापस भी किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर विद्युत प्रणाली को पारदर्शी एवं सुलभ बनता है जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध होती है।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी काव्य रचना "परशुराम की प्रतीक्षा" का हुआ नाट्य मंचन

बीएनएम। मोतिहारी

कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार के सौजन्य से डिवाइन सोशल डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन, पटना द्वारा जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के सहयोग से शनिवार की संध्या 06:30 बजे से राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी काव्य रचना "परशुराम की प्रतीक्षा" का नाट्य मंचन मदन मोहन कुमार के निर्देशन में शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी व जिले के गणमान्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। यह नाटक 1962 में हुए भारत-चीन के युद्ध के परिपाटी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो 'राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर' 'के खंड काव्य 'परशुराम की प्रतीक्षा' पर आधारित है जो भारत-चीन युद्ध के पश्चात लिखा गया था। जब भारतीय सेना पराजित हो गई तब उस समय पराजय से सारा भारत बेहाल हो उठा और प्रत्येक व्यक्ति अपने आप से यह सवाल करने लगा कि आखिर इतना विशाल देश इतनी आसानी से हार क्यों गया? हमने हथियारों का बंदोबस्त क्यों नहीं किया था? हमारे राष्ट्रीय चरित्र में वह कौन सा दोष है जो हमें सफल नहीं बनने देता? हमने यह धोखा कैसे खाया? क्या हमारी सरकार तैयार थी? अथवा हम शांतिवादी नारों के शिकार हुए हैं? आखिर हम किस तरह चलें कि ऐसा अपमान हमें फिर कभी नहीं झेलना पड़े? इन्हीं सब सवालों के जवाब ढूंढने का प्रयास है। नाटक की प्रस्तुति अत्यंत उच्च कोटि की सजीव एवं जीवंत रही जिसकी प्रशंसा माननीय विधायक एवं जिलाधिकारी के द्वारा की गई। माननीय विधायक के द्वारा कला संस्कृति विभाग को पूर्वी चंपारण के ऐतिहासिक धरती पर इस तरह के नाटक का मंचन करने के लिए भी धन्यवाद दिया गया। नाटक में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को विधायक, जिलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी के द्वारा सम्मानित किया गया। नाटक के दौरान प्रेक्षा गृह दशकों से खचाखच भरा हुआ था।

तुरकौलिया में टेंपो व बाइक की सीधी भिंडत, बाइक सवार की मौत, अन्य गंभीर

टेंपू चालक भी घायल

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के अरेराज-मोतिहारी पथ में लक्ष्मीपुर गदरिया स्थित चिकित्सक डॉ बीएन प्रसाद के घर के समीप टेंपो व बाइक में सीधी भिंडत हो गई। जिसमे टेंपो चालक व बाइक सवार दोनो युवक जख्मी हो गए। ग्रामीणों ने तीनो जख्मी को सदर अस्पताल इलाज के लिए भेजा। जहां इलाज के दौरान एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा बाइक सवार को चिकित्सको ने गंभीर हालत में रेफर कर दिया। टेंपो चालक इलाजरत है।घटना शनिवार की बताई गयी है। बाइक सवार मृतक युवक शहर के बलुआ टाल का रहने वाला मोहम्मद मासूम बताया जाता है। जख्मी युवक भी बलुआ टाल का रहने वाला अभिजीत कुमार बताया जाता है।जो मेडिकल रिप्रजेंटिव का काम करता था। एक बाइक पर सवार होकर दोनो युवक तुरकौलिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही टेंपो से टकरा गए। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार पासवान ने बताया की शव को पुलिस पोस्टमार्टम कराने में जुटी है। टेंपो चालक की स्थिति भी गंभीर है। सभी को समुचित इलाज कराया जा रहा है।

पैक्स चुनाव 2024 को लेकर की गई समीक्षात्मक बैठक

- लगभग 350 पैक्सों का कार्यकाल इस वर्ष हो रही है समाप्त
- 25 अक्टूबर को होगी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

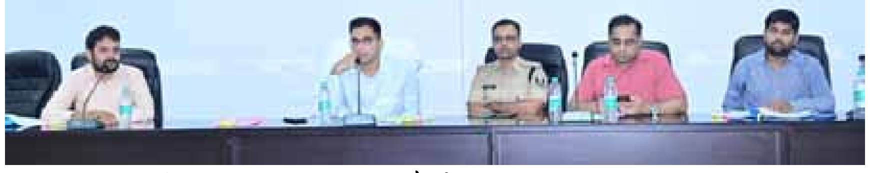

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी पैक्स चुनाव 2024 को लेकर शनिवार aविकास पदाधिकारी, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी उपस्थित हुए। पैक्स चुनाव नवंबर 2024 में संभावित है। जिले के लगभग 350 पैक्सों का कार्यकाल इस वर्ष समाप्त हो रहा है एवं अगले प्रबंधकारिणी का निर्वाचन होना है। इसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारी तेज कर दी गई है। 3 अक्तूबर इस चुनाव में भाग लेने हेतु कट ऑफ डेट निर्धारित की गई है। 9 अक्तूबर को निर्वाचन पदाधिकारी, सहयोग समितियां सह प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जायेगा। मतदाता सूची का प्रकाशन पैक्स गोदाम, प्रखंड कार्यालय, जिला सहकारिता कार्यालय एवं बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार की वेबसाइट पर किया जाएगा। 9 से 22 अक्तूबर तक प्रारूप मतदाता सूची पर दावा आपत्ति प्रखंड विकास पदाधिकारियों के समक्ष किया जा सकेगा एवं 25 अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। जिले में 5 चरणों में पैक्स चुनाव प्रस्तावित है। निर्वाचन कार्यक्रम बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार द्वारा जल्द प्रकाशित कर दिया जायेगा।

तुरकौलिया पुलिस ने चोरी मामले का किया उद्भेदन,तीन गिरफ्तार

चोरी के एलसीडी व मोबाइल सहित अन्य सामान जप्त

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के तुरकौलिया थाना पुलिस ने दो अलग अलग चोरी की घटना में चोरी के समान सहित तीन चोर को पकड़ कर मामले का उद्भेदन कर लिया है। पकड़े गए चोर रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मजुंराहा के हीरानंद सहनी का पुत्र अजय सहनी, रामनाथ पासवान का पुत्र बबलू कुमार व मुफस्सिल थाना के बतरौलिया गांव के रामदेनी प्रसाद के पुत्र रंजन कुमार है।उल्लेखनीय है,कि गत एक अक्टूबर की रात में टिकैता पंचायत के वार्ड 12 स्थित सेमरा गांव के व्यवसाई बैजू प्रसाद के घर का ताला तोड़ चोरों ने नकद 90 हजार रूपया सहित करीब 13 लाख के जेवरात व एलसीडी की चोरी कर लिया था। मामले में व्यवसाई के चाचा शत्रुध्न प्रसाद ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया था। व्यवसाई बैजू हरियाणा में अपना व्यवसाय किए है। घर में ताला बंद था। चोर अजय बाइक से अपने बहन के घर मधु छपरा चोरी कि गई एलसीडी गिफ्ट करने जा रहा था। इसी दौरान पकड़ा गया। जबकि शंकर सरैया चौक स्थित मोहम्मद असीम के मोबाइल दुकान से अगस्त माह में चोरी की गई मोबाइल के साथ बतरौलिया के रंजन को पुलिस ने पकड़ा है। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि पकड़े गए तीनो चोर को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सीएसपी संचालकों के साथ थानाध्यक्ष ने किया बैठक

बीएनएम। रामगढ़वा

रामगढ़वा में सीएसपी संचालक से लूट की घटना के बाद शनिवार को रामगढ़वा थाना कार्यालय में थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने सीएसपी संचालकों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में सार्वजनिक बैंकों के सीएसपी संचालकों के साथ आधार कार्ड से लेनदेन करने वाले दुकानदार भी शामिल हुए। बैठक में आए रक्सौल एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार ने सभी सीएसपी संचालकों को बैंक से कैश ले जाने के दौरान इसकी सूचना थाना में देने की बात कही। बताया कि सूचना देने पर पुलिस कैश ले जाने के दौरान उनकी सुरक्षा प्रदान करेगी। साथ ही सीएसपी संचालकों को कई तरह के एहतियात बचने के भी निर्देश दिए गए हैं। कहा कि बैंक खोलने और बंद करने के दौरान आने-जाने वाले ग्राहकों पर विशेष निगाह रखने की जरूरत है। इस अवसर पर एसडीपीओ ने थानाध्यक्ष को सीएसपी की सुरक्षा हेतु तीन निर्देश का पत्र भेजने का निर्देश दिया। जिसमें सीएसपी में चैनल गेट लगाने, सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा बैंक से पैसा निकासी कर ले जाने की सूचना थाना अध्यक्ष को देने का निर्देश है। एसडीपीओ ने सुरक्षात्मक पहलू को देखते हुए सीएसपी में चैनल गेट और सीसीटीवी 48 घंटे के अंदर लगाने का निर्देश दिया है।इस निर्देश का पालन नहीं करने वाले सीएसपी को बंद करने की दिशा में पुलिस कार्यवाही करेगी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीएसपी संचालकों के मोबाइल नंबर और पता की सूची थाना रजिस्टर में दर्ज किया। इनको व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया। उसमें थानाध्यक्ष के नंबर को भी जोड़ने की बात कही। इससे सूचना का त्वरित आदान-प्रदान हो सकेगा।

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में खेलकूद व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत हुआ आयोजन

बीएनएम। केसरिया

महिला एवं बाल विकास निगम, जिला प्रशासन व बाल विकास परियोजना के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को केसरिया स्थित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय में खेलकूद व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता में लंबी दौड़, रंगोली, पेंटिंग आदि कलाओं में विद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता में रेखा कुमारी को प्रथम, कृतिका रंजन को द्वितीय व सोनम कुमारी को तृतीया स्थान मिला। वहीं दौड़ प्रतियोगिता में नीतू कुमार प्रथम, गुड़िया कुमारी द्वितीय व करीना कुमारी तृतीय स्थान हासिल करने में सफल रही। सफल प्रतिभागियों को बीडीओ मनीष कुमार सिंह, बीईओ विनय कुमार तिवारी व महिला पर्यवेक्षिका अम्बालिका कुमारी के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं इस आयोजन के बीच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा एनीमिया जाँच सह मेडिकल कैम्प का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की करीब पाँच दर्जन छात्राओं की एनीमिया की जाँच की गई। साथ हीं चिकित्सकों द्वारा आवश्यक चिकित्सीय सलाह दी गई। इस अवसर पर सीएचसी के स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मराज कुमार, डॉ उदय कुमार, जीएनएम सुरेंद्र सिंह जाट, जगदीश बैठा, अनिता कुमारी, राजकुमार, प्रमोद कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम चंपारण मे आठ लाख मूल्य के गांजा सहित तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित भंगहा पुलिस ने नेपाल से गांजा लेकर आ रहे दो तस्करों को धर दबोचा है। एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि भंगहा थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद माझी को शनिवार के सुबह गुप्त सूचना मिली कि कुछ तस्कर नेपाल से गंजा की खेप लेकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गये है। त्वरित कार्रवाई करते हुए सूचनार्थ जगह पर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित कर नाका लगा दिया। इसी दौरान धुमाटाड़ जसौली शीतला माई मंदिर से सटे तीनमुहानी के पास से दो संदिग्ध व्यक्ति माथा पर बोरा लिये हुए आते दिखाई दिये। जब पुलिस ने दोनों संदिग्ध को रोकना चाहा तो उक्त लोग माथे से बोरा फेककर भागने लगे। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए भाग रहे दोनों व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़ने के दौरान पूछताछ के बाद दोनों ने अपना नाम थाना क्षेत्र के बेहरी गांव निवासी प्रहलाद दिसवा तथा रामपुर गांव निवासी त्रिलोकी खवास बताया। जब बोरे की तलाशी ली गयी तो बोरे से 20 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों तस्करों और गांजा को जब्त कर थाना लाया गया। इधर थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद माझी ने बताया कि धराये तस्कर के विरुद्ध एनडीपीएस के तहत कांड दर्ज कर दोनो तस्कर को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। जब्त गांजा कि अंतरराष्ट्रीय कीमत आठ लाख छत्तीस हजार रुपए आकी गई है।

फसल क्षति मुआवजा नहीं मिलने पर बाढ़ पीड़ितों ने किया बेतिया में प्रदर्शन

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण ज़िला मुख्यालय बेतिया के बगल में बाढ़ की विभीषिका झेलने वाले दिराया वासी के दुख दर्द में जिला प्रशासन सहयोगी नहीं बन रहा है। साथ ही बाढ़ की पानी में तैयार धान फसलों के मुआवजे नहीं मिलने के खिलाफ नौतन ब्लॉक शिवराजपुर के किसानों ने शनिवार को जमकर प्रदर्शन कर प्रशासन के विरोध में नारेबाजी की। किसान शेख परवेज़, शेख दुखी, शेख नजाम, शेख निजामुद्दीन, राजेश साह, हरिलाल साह, गोपीचंद चौधरी, सरफूदीन मियां, बन्हु साह, शंभु साह आदि ने कहा कि कुआर के महिने में कभी भी गंडक नदी के उफान से बाढ़ नहीं आयी है. जब फसल तैयार हो गया तो अचानक बाढ़ की पानी में डूब गए. धान फसलों के उपर तीन फीट पानी बहने से फसल बुरी तरह बर्बाद हो गया है। किसान कर्ज लेकर खेती किये थे। तैयार धान फसलों के डूबने से किसान छाती पीटने को विवश हैं. बावजूद जिला प्रशासन के तरफ से किसानों के फसलों का मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। इससे पीड़ित किसानों में आक्रोश कायम है। किसानों ने अगाह किया है प्रशासन फसलों का मुआवजा नहीं देगी तो किसान अंचल सह जिला प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने को विवश होगें। जिसका सारा जवाब दही प्रशासन बनेगा।

ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में डायल 112 के दो पदाधिकारी निलंबित

निजी परिसर में गाड़ी लगाकर थे लापता

बीएनएम। केसरिया। ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले डायल 112 पुलिस टीम में तैनात दो अधिकारियों को महंगा पड़ गया है। विभाग द्वारा दिये गए वाहन से ड्यूटी के दौरान गायब रहने के आरोप में दो वाहन पर तैनात दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि केसरिया थाना की डायल 112 की दो गाड़ी थाना से कुछ हीं दूरी पर एक निजी परिसर में लगी थी। इन दोनों गाड़ियों पर तैनात कोई पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मौजूद नहीं थे। जिसकी सूचना किसी ने पुलिस के वरीय पदाधिकारी को दे दी। जिसके बाद पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम के निरीक्षण में मामला सही पाया गया। पुलिस निरीक्षक ने जिला पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात को मामले की रिपोर्ट कर दी।जिसके बाद एसपी ने ईआरवी-34 पर तैनात पीटीसी सुबोध कुमार व ईआरवी-9 पर प्रतिनियुक्त एसआई अनिल कुमार राजपाल को निलंबित कर दिया। साथ हीं चकिया डीएसपी को पूरे मामले की जाँच कर जाँच रिपोर्ट 24 घंटे के अंदर देने को कहा गया है। इधर, इस कार्रवाई से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व बाल विवाह बाल श्रम पर बच्चों ने बनाई पेंटिंग

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग, जिला प्रशासन व बाल विकास परियोजना के तत्वाधान में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के चकिया प्रखंड के पिपरा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय परिसर में लड़कियों का रैली तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रंजनी कुमारी प्रथम, अनुष्का कुमारी द्वितीय,रागनी कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त की। बच्चों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह, बाल श्रम, पर्यावरण संरक्षण सहित अन्य विषयों पर चित्र बनाएं। बाल विकास परियोजना चकिया की ओर से प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को स्कूल बैग, कलम, कॉपी, टिफिन बॉक्स, ज्योमेट्री बॉक्स देकर प्रोत्साहित किया गया साथ ही कार्यक्रम में सभी 40 प्रतिभागियों को जिला प्रशासन की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का कैप और टी-शर्ट दिया गया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कुमारी श्वेता, उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, लेडिज सुपरवाइजर संगीता कुमारी, प्रतिमा कुमारी, मनीषा कुमारी, वार्डेन संजू कुमारी, संध्या कुमारी, सुनीता कुमारी, उमेश कुमार, विजय कुमार, संगीता कुमारी, पूर्णिमा, विमला देवी, प्रमिला देवी सहित बड़ी संख्या में कस्तुरबा विद्यालय के शिक्षक व बच्चे मौजूद थे।

मुंशी से लूट मामले में टेंपो चालक समेत दो गिरफ्तार

बीएनएम। रामगढ़वा

थाना क्षेत्र के भैंसड़ा मुख्य हाइवे पर गुरुवार की शाम सुगौली के तेल व्यवसायी के मुंशी से हुई लूट की घटना में जीस टेंपो का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने उसे बरामद करते हुए चालक व एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया है। इस लूट घटना की कांड संख्या 243/ 24 में टेंपो चालक सह मालिक सोहन कुमार उम्र 24 साल पिता कैलाश राम मुरला निवासी एवं भोले शंकर राम उम्र 22 साल पिता बिदाराम सुगौली बेलवतिया निवासी का गिरफ्तारी हुई है। इस केस में टेंपो के आलावा अपराधियों के पास बाइक भी थी। व्यवसायी की बेग छीनकर बाइक से अपराधी फरार हुए थे। पुलिस ने पहले टेंपो व चालक को पकड़ा उसके निशानदेही पर बेलवातिया में छापेमारी की। खबर की पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि जल्द ही अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। ईस छापेमारी दल में अपर थाना अध्यक्ष विवेक कुमार, अजित सिंह, कृष्ण राय, शिवम कुमार, प्रिया कुमारी शामिल थी।

वन्य प्राणी सप्ताह के तहत स्कूली बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र के आडियो-वीडियो सभागार में शनिवार को वन्य प्राणी सप्ताह के अवसर पर सरकारी विद्यालयों के बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस स्टेट लेवल प्रतियोगिता का आयोजन डबल्यू आई आई और वन विभाग के सौजन्य से किया गया।इस चित्रकला प्रतियोगिता में वाल्मीकिनगर स्थित एन जी वाई हाई स्कूल,लक्ष्मीपुर, भेडिहारी और धंगड़हिया राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय के कुल 100 बच्चों ने भाग लिया।

पूरा देश इस समय 2 से 8 अक्टूबर तक वन्य प्राणी सप्ताह 2024 माना रहा है।जिसके तहत हर दिन कुछ न कुछ प्रोग्राम वन विभाग द्वारा किया जा रहा है।इस सन्दर्भ में आईएफएस प्रशिक्षु डीएफओ स्टेलिन फीडर कुमार ने बताया कि पूरे देश में वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जा रहा है।जिसके तहत प्रत्येक दिन जीव जंतु के प्रति जागरूकता अभियान चला कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।इसी क्रम में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें तीन सफल प्रतिभागी बच्चों को डबल्यू आई आई देहरादून में आगामी 14 नवंबर बाल दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जायेगा, जो कि नैशनल लेबल पर होगा।

उन्होंने आगे बताया कि शनिवार को सोहरिया गांव में मगरमच्छ के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।साथ ही बताया कि बच्चों को जंगल भ्रमण करा कर नेचर के प्रति जागरूक किया जायेगा।साथ ही बच्चों को वन्य जीव और पेड़ पौधों के बारे में जानकारी दी जायेगी।आगे उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को चलचित्र के माध्यम से बताया जा रहा है कि मानव का अस्तित्व वन्य जीवों के बिना संभव नहीं है।इस लिए मानव समुदाय के नेतृत्व में ही वन्य जीवों का संरक्षण संभव है।जलवायु परिवर्तन से भी वन्य जीवों को खतरा है।इस लिए सभी लोगों को प्रकृति के प्रति सजग हो कर पर्यावरण को सुरक्षित रखना होगा।अन्यथा मानव और जीव जंतु का अस्तित्व खतरे में पर जायेगा।

इस मौके पर डबल्यू टी आई के प्रोजेक्ट मैनेजर सुब्रत बेहरा, वाल्मीकिनगर रेंजर राजकुमार पासवान, वन विभाग के फील्ड बैयोलॉजिस्ट सौरभ वर्मा,पशु चिकित्सक डॉक्टर मनोज कुमार टोनी, वन रक्षी अर्चिता कुमारी,डबल्यू आई आई के जलज फिल्ड असिस्टेंट मुकेश कुमार, डबल्यू टी आई के फील्ड असिस्टेंट सुनील कुमार, डबल्यू टी आई के प्रोजेक्ट कोडिनेटर मुकुल कुमार, शिक्षक संतोष कुमार, विजय कुमार, राजेश राम, शशि रंजन गुप्ता, रश्मि कुमारी, शुभम कुमार सहित अन्य वनकर्मी और बच्चें मौंजूद रहे।

राशनकार्ड लाभुकों से खाद्यान वितरण स्थिति की जानकारी ली

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी खुशबू कुमारी ने शनिवार को प्रखंड के ढेकहाँ पंचायत के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के राशनकार्ड लाभुकों से खाद्यान वितरण स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने राशनकार्ड लाभुकों से खाद्यान वितरण के बारे में आवश्यक पूछताछ की। लाभुकों द्वारा बताया गया कि विगत माह ससमय राशन मिल चुका है। फिलहाल माह अक्टूबर का राशन वितरण हो रहा है। आपूर्ति पदाधिकारी ने पीडीएस दुकानदारों को पूरी पारदर्शिता के साथ व ससमय राशन वितरण करने को कहा। उन्होंने बताया कि पंचायत के अधिकांश लाभुकों को माह अक्टूबर का खाद्यान उपलब्ध करा दिया गया है। शेष लाभुकों को पंचायत के जनवितरण प्रणाली दुकानदारों द्वारा खाद्यान उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने पंचायत के सभी विक्रेताओं को निदेशित करते हुए कहा कि शेष लाभुकों को हर हाल में अविलंब राशन मुहैया करायें। इसमें कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के समय पंचायत के सभी विक्रेता मौजूद थे।

लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता

श्रम मंत्री ने कहा है कि अन्ना की मौत के मामले की जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) की कर्मचारी अन्ना सिबैस्टियन पेरायिल की मौत के सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बनने के बाद लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता को लेकर भारतीय राजनेताओं की संवेदना में क्षणिक हलचल दिखी है। अन्ना के गृह राज्य यानी केरल के नेता ज्यादा आहत नजर आए हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कार्य-घंटों को सीमित करने के लिए एक निजी मेंबर बिल पेश करने की घोषणा की है। थरूर ने कहा है कि किसी को भी एक दिन में आठ घंटों के ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। मामला गरम होते देख सत्ताधारी नेता भी विवाद में कूदे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कॉलेजों एवं संस्थानों को सलाह दी कि वे अपने यहां छात्रों को काम के तनाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण का इंतजाम करें। श्रम राज्य मंत्री शोभा करांडजले ने मामले की जांच की घोषणा की। अब श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? यह आज की कार्य संस्कृति का हिस्सा है, जिसे बढ़ावा देने में खुद सरकारों का योगदान है। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खुलेआम कर्मचारियों से हफ्ते में 70 घंटे काम लेने की वकालत कर चुके हैं। अन्ना ने अपनी मां को लिखे पत्र में कहा था- काम का बोझ, नया माहौल, और लंबे कार्य-घंटों की कीमत उसे शारीरिक, भावनात्मक, और मानसिक रूप से चुकानी पड़ रही है। लेकिन क्या यह सिर्फ किसी एक कर्मचारी की व्यथा कथा है? ईएंडवाई बहुराष्ट्रीय कंपनी है। उसमें नौकरी हाई-प्रोफाइल मानी जाती है। उसके कर्मचारी उच्च मध्य वर्ग का हिस्सा होते हैं। संभवतः यह भी एक कारण है, जिसकी वजह से अन्ना की मौत मुद्दा बनी और राजनेताओं की संवेदना को भी छू सकी। वरना, इसी समय तमिलनाडु स्थित सैमसंग कंपनी में मजदूरों की हड़ताल चल रही है। कार्य-स्थियों में सुधार उनकी भी एक प्रमुख मांग है। लेकिन यह खबर कितने लोगों के पास है? तो कुल मिलाकर मामला सोशल मीडिया तूफान का है, जिसके थमते ही नेताओं की भावनाएं भी यथास्थिति में चली जाएंगी।

वीरांगना रानी दुर्गावती सुशासित व समृद्ध साम्राज्य की प्रेरणास्रोत

वीरांगना रानी दुर्गावती महिला शासकों के भारतीय स्वर्णिम इतिहास का एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर है। रानी दुर्गावती ने 16वीं शताब्दी में गोंडवाना राज्य की शासक के रूप में अपने साहस और नेतृत्व के लिए ख्याति प्राप्त की। उनकी जन-कल्याणकारी व्यवस्था को सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। रानी ने एक संतुलित, न्यायपूर्ण और विकासात्मक प्रणाली के रूप में शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए गोंडवाना को एक मजबूत और समृद्ध साम्राज्य बनाया। वीरांगना रानी दुर्गावती के शासन में गोंड संस्कृति ने देश की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध किया है। उन्होंने अपनी पारंपरिक प्रथाओं से पर्यावरण के संवर्धन और संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाई है। आज़ादी के प्रति असीम प्रेम और किसी की अधीनता स्वीकार न करने की जिद और जुनून गोंड समाज की पहचान रही है। रानी दुर्गावती गोंड समुदाय के पराक्रम, भारतीय वीरता और शूरता की साक्षात् प्रतिमूर्ति थीं। मुगल साम्राज्य की अधीनता स्वीकार न करने वाली रियासतों के लिए मुगल काल में सुरक्षित रहना बहुत कठिन माना जाता था, क्योंकि विशाल मुगल सेना के सामने युद्ध भूमि में सामना करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में गोंडवाना साम्राज्य की संरक्षिका के रूप रानी दुर्गावती के कार्य एवं अपूर्व वीरता के साथ राज्य के विकास में किया गया अभूतपूर्व योगदान सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। रानी दुर्गावती के कार्यों और वीरता का गुण-गान आज भी जनजातीय क्षेत्रों में विभिन्न बोलियों और कई भाषाओं में किया जाता है, जो भावी पीढ़ियों के लिये प्रेरणास्पद है। रानी दुर्गावती का संघर्ष मुगलों के खिलाफ था और वे जनजातीय संस्कृति और विरासत की सुरक्षा के प्रति कृत-संकल्पित थीं। उन्होंने मुगलों के खिलाफ एक सशक्त प्रतिरोध का आधार तैयार किया, जिसने देश के दूसरे क्षेत्रों में रहने वाले राजा-महाराजा और अधीनता स्वीकार न करने वाले अनेक समूहों को मुगल सत्ता के खिलाफ लगातार लडऩे के लिए प्रेरित किया। वर्तमान जबलपुर उनके साम्राज्य का केंद्र था। रानी ने करीब 16 वर्ष तक शासन किया। उन्होंने अपने कार्य-काल में अनेक मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ियां तथा धर्मशालाएं बनवाईं। लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए रानी की कीर्ति दूर-दूर तक फ़ैल गई। रानी दुर्गावती के गढ़ मंडला पर मुगल सूबेदार बाजबहादुर की बुरी नजर थी, लेकिन युद्ध में रानी दुर्गावती ने उसकी पूरी सेना का सफाया कर दिया और फिर वह कभी पलटकर नहीं आया। मुगल सेना के कई हमलों को नाकाम करने वाली रानी दुर्गावती का खौफ दिल्ली की मुगल सत्ता को भी प्रभावित करने लगा।

दुर्गा समस्त शक्ति अर्थात राष्ट्र शक्ति का प्रतिरूप

अशोक प्रवृद्ध

हेमाद्री ग्रन्थ में इनके दस और आठ हाथों का उल्लेख है। माता की चतुर्भुजी प्रतिमा भी देखी जाती है, परंतु देवी की दसभुजा और अष्टभुजा स्वरुप ही जनमानस में सर्वप्रचलित है। देवी की दस भुजाएं दस दिशाओं की केन्द्रीय शक्ति होने तथा दस विभूतियों से मानव की रक्षा करने के भाव का प्रमुख रूप से द्योतक है। इसी प्रकार अष्टभुजा आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक है। नवरात्र में अष्टभुजाओं वाली भगवती दुर्गा की प्रतिमा स्थापन, पूजन, आराधना की परिपाटी है। भगवती दुर्गा की प्रतिमा में हाथों की संख्या विभिन्न पुराणों में अलग-अलग अंकित है। वराह पुराण 95/41 में अंकित है कि माता वाराही अपनी बीस हाथों में अस्त्र-शस्त्र एवं धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतीकों- शंख,चक्र, गदा, पद्म, शक्ति, महोल्का, हल,मूसल, खड्ग, परिधि, भृशुण्डि, मस्तक, खेमट, तोमर, परशु, पाश, कुन्त,त्रिशूल, सारंग, धनुषादि को धारण करती है। देवी भागवतपुराण में इनके अठारह हाथों का उल्लेख है। हेमाद्री ग्रन्थ में इनके दस और आठ हाथों का उल्लेख है। माता की चतुर्भुजी प्रतिमा भी देखी जाती है, परंतु देवी की दसभुजा और अष्टभुजा स्वरुप ही जनमानस में सर्वप्रचलित है। देवी की दस भुजाएं दस दिशाओं की केन्द्रीय शक्ति होने तथा दस विभूतियों से मानव की रक्षा करने के भाव का प्रमुख रूप से द्योतक है। इसी प्रकार अष्टभुजा आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक है। इसी कारण देवी की दस विद्या, नवदुर्गा अथवा अष्ट मातृका रूप में नाम-स्मरण, पूजा-अर्चना की परिपाटी है। शताक्षी एवं शाकंभरी भी इनका नाम है। आठ दिशाओं में लोक के योग क्षेम के भाव का द्योतक अष्टभुजा वाली दुर्गा की वास्तविकता का वर्णन व विश्लेषण वैदिक मत में भी किया गया है। वैदिक विद्वानों के अनुसार पहली भुजा (भुज) पूर्व की है, जहां से उदित होने वाले अदिति सूर्य का प्रातः काल में पूर्वाभिमुख होकर के याग करना चाहिए। अपने जीवन को प्रकाशमान करना चाहिए। क्योंकि प्रकाश ही तो मानव का जीवन है। अपने अंतर्तम के अंधकार को समाप्त करना चाहिए। अंधकार अज्ञान का प्रतीक है। प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है। यह देवी की एक भुजा है। दूसरी भुजा दक्षिण दिशा है। अध्यात्म में दक्षिण दिशा में विज्ञान की तरंगे ओत- प्रोत रहती है। दक्षिण में ही शब्दों का भंडार होता है। दक्षिण में ही सोम है। दक्षिण दिशा ही अग्नि और विद्युत का भंडार है। इसलिए यह ईश्वर प्रदत्त दूसरी दिशा, दूसरी भुजा और दूसरी शक्ति है। तीसरी दिशा पश्चिम है, जो ईश्वरीय दिव्य शक्ति माता का तृतीय भुज कहलाता है। यह भुज अन्न के भंडार के रूप में जानी जाती है। जब पश्चिम दिशा से वायु वेग से गति करती है, विद्युत को साथ लेकर आती है तो माता पृथ्वी के गर्भ में नाना प्रकार की आभा को वर्षा से परिणत कर देती है। नाना प्रकार का खाद्य और खनिज पदार्थ इसी से उत्पन्न होने लगता है। इसलिए यह माता की तीसरी भुजा है। चौथी भुजा उत्तरायण है। योगी, साधकजन सभी उत्तर की दिशा को अभिमुख होकर योगाभ्यास करते हैं। प्राण की गति को प्राप्त करते हैं। सभी शुभ कार्य उत्तर दिशा की ओर मुख करके होते हैं। सभी ज्ञान का भंडार उत्तरायण में रहता है। इसलिए यह ईश्वर रूपी माता की दी हुई चौथी भुजा है। पांचवी भुजा ध्रुवा कही जाती है, जो प्रकृति के साथ जुडने वाली नीचे की ओर की भुजा अथवा दिशा है। प्रकृति एवं पृथ्वी से अनेक साधन और समर्थ प्राप्त होते हैं। साधक अथवा वैज्ञानिक इसमें भी गति करता है। छठा भुजा उर्ध्वा में रहता है अर्थात ऊपर की दिशा जो अंतरिक्ष लोक से द्युलोक तक की गति कराता है। नाना प्रकार की सुखों की, आनंद की, तथा देवत्व की वृष्टि करता है। इसकी प्राप्ति के लिए प्राणी को दैव (देवी) याग करना चाहिए। और ब्रह्मवेत्ता अर्थात ब्रह्म का चिंतन करने वाला साधक बनना चाहिए। योगी की भांति उड़ान करते हुए अनेक लोकों में, मंडलों में भ्रमण करना चाहिए। विज्ञान के युग में गति करनी चाहिए। वैज्ञानिक यंत्रों पर विद्यमान होकर के लोक- लोकातंरों की यात्रा योगाभ्यासी करने लगता है। उल्लेखनीय है कि याग के समय कलश की स्थापना की दिशा ईशान कोण होती है। योगाभ्यास करने वाला प्राणी मूलाधार में मूल बंध को स्थित करके नाभि केंद्र में ज्योति का प्रकाश दृष्टिपात करता है। उसके बाद जालंधर बंध को लगा करके हृदय चक्र में ज्योति को देखता है। तत्पश्चात कंठ में और स्वाधिष्ठान चक्र में, जहां त्रिवेणी का स्थान अर्थात ईड़ा, पिंगला, सुषुम्ना का मिलन होता है, वहां त्रिभुज कहलाता है, इस त्रिभुज वाले स्थान पर तीनों गुण- रजोगुण, तमोगुण, सतोगुण को दृष्टिपात करके आत्मा ब्रह्म रंध्र में प्रवेश करता है। और ब्रह्म रंध्र में जब योगेश्वर जाता है, तो वह सर्व ब्रह्मांड को दृष्टिपात करता है। ईशान कोण में विद्यमान ज्योति को योगी ध्यानावस्थित करता है। कुंभकार के द्वारा मृदा से निर्मित कलश में जल ओत-प्रोत होता है। इसमें अमृत होता है। वह अमृत प्राण की वर्षा कर रहा है। ज्ञान की वृष्टि कर रहा है। अर्थात वह सरस्वती का देने वाला है। ज्ञान का पान करने से सरस्वती आती है। अमृत के ही पान करने वाले सरस्वती को अपने में धारण करते हैं। यह ईशान माता काली अर्थात पृथ्वी की सातवीं भुजा है। आठवां भुजा दक्षिणायन कृति कहलाता है इसमें विद्युत समाहित होकर और पश्चिम दिशा से अन्न का भंडार लेकर के मानव का भरण पोषण करती है। इसलिए वह भी एक देवी का रूप है, शक्ति का रूप है। इसीलिए योगी व विद्वतजन कल्याण करने वाली माता, देवी से दुर्गुणों को दूर करके, दुर्गुणों को शांत करके कल्याण करने, अपनी अमृत की वृष्टि करने की प्रार्थना करते हैं। इस अष्टभुजा दुर्गा का अपना राष्ट्रीय महत्व भी है। दुर्गा समस्त शक्ति अर्थात राष्ट्र शक्ति का प्रतिरूप है, जो कि व्यक्ति और व्यक्तियों का सम्मिलित रूप राष्ट्र, शारीरिक रूप बल, सम्पति बल एवं ज्ञान बल से सिंह सदृश है, उस व्यक्ति में, उस राष्ट्र पर शक्ति (दुर्गा) प्रकट होती है। राष्ट्र को पशुबल (कार्तिकेय), सम्पति बल (लक्ष्मी) एवं ज्ञान बल (सरस्वती) चाहिए, किन्तु बुद्धिहीन के लिए बल, सम्पति एवं ज्ञान निरर्थक ही नहीं, प्रत्युत आत्मसंहार के लिए प्रबल अस्त्र सिद्ध होते हैं। इसीलिए मनुष्यता के आदिदेव बुद्धि के महाकाय (गणपति) वर्तमान हैं, जिनकी विशाल बुद्धि (शरीर) के भार के नीचे सभी विघ्न (चूहे) विवश रहते हैं। समस्त दिशाओं में फैली हुई राष्ट्रशक्ति ही राष्ट्र की दो, चार, आठ, दस, सहस्त्र और अनन्त तथा असंख्य भुजाएं हैं तथा समस्त प्रकार के उपलब्ध अस्त्र-शस्त्रादि ही दिक्पालों के अस्त्र-शस्त्रादि इनके आयुध हैं। कोई व्यक्ति और राष्ट्र ऐसा नहीं है, जिसका विरोध न हो। यही महिष है। दुर्गा के रूप में यह भारतशक्ति की उपासना है। पौराणिक मान्यतानुसार नवरात्र उत्सव के चौथे दिन पूजी जाने वाली कूष्माण्डा देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए ये माता अष्टभुजा कहलाती हैं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृत में कुम्हड़े को कुष्माण्ड कहे जाने कारण इस देवी को कुष्माण्डा के नाम से संज्ञायित किया जाता है। अपनी मन्द, हल्की हंसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्माण्ड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्माण्डा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अन्धकार ही अन्धकार था, तब इसी देवी ने अपने ईषत्? हास्य से ब्रह्माण्ड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा अथवा आदिशक्ति कहा गया है। इस देवी का वास सूर्यमण्डल के भीतर लोक में है। सूर्यलोक में रहने की शक्ति क्षमता केवल इन्हीं में है। इसीलिए इनके शरीर की कान्ति और प्रभा सूर्य की भांति ही दैदीप्यमान है। इनके ही तेज से दसों दिशाएं आलोकित हैं। ब्रह्माण्ड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में इन्हीं का तेज व्याप्त है। कूष्माण्डा अर्थात अण्डे को धारण करने वाली। स्त्री और पुरुष की क्रमशः गर्भधारण और गर्भाधान शक्ति है। मनुष्य योनि में स्त्री और पुरुष के मध्य इक्षण के समय मंद हंसी (कूष्माण्डा देवी का स्व भाव) के परिणाम स्वरूप जो उठने वाला आकर्षण और प्रेम का भाव भगवती की ही शक्ति है। इनके प्रभाव को समस्त प्राणीमात्र में देखा जा सकता है। ब्रह्मा के दुर्गा कवच में वर्णित नवदुर्गा नौ विशिष्ट औषधियों में कूष्माण्डा भी शामिल है। पेठा और कुम्हड़ा नाम से प्रचलित यह औषधि रक्त विकार दूर कर पेट को साफ करने में सहायक है। मानसिक रोगों में यह अमृत समान है। संसार सागर में डूबते हुए पुत्रों को अमोघवाणी से उत्साहित करने वाली त्रैलोक्यजननी, विश्वम्भरी, कृपासागरा, सच्चिदानन्दरूपिणी, भक्तवत्सला, अमृतरसदायिनी, कामदूहा, प्रकृतिरूपा श्रीदुर्गा की उपासना भारतवर्ष के समस्त अंचलों में विभिन्न रूपों में की जाती है।

नये सुनहरे युग में प्रवेश करता जम्मू-कश्मीर

आर.के. सिन्हा

बेखौफ होकर जम्मू और कश्मीर में जिस तरह से मतदाताओं ने राज्य विधानसभा के तीन चरणों में हुए चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया उससे दूर तक संदेश चला गया है कि अब वहां हालात लगभग सामान्य हो चुके हैं। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान किसी तरह की हिंसा भी नहीं हुई। चुनावों में राजनीतिक दलों ने भी निर्भीकतापूर्वक खुलकर प्रचार भी किया , रैलियां भी कीं और जमकर अपने - अपने मतों को खुलकर जनता के सामने रखा भी । यह सब पिछले कई दशकों से ठप्प पड़ा हुआ था । बेशक, निर्वाचन आयोग राज्य विधानसभा का चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय ले सकता है। याद रहे कि जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था। यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि 1980 के दशक में जम्मू और कश्मीर में उग्रवाद के बढ़ने का एक कारण 1987 का विधानसभा चुनाव था, जो कि पूरी तरह से फर्जी था और जिसने चुनावी लोकतंत्र के प्रति भारी निराशा पैदा की थी और उग्रवाद को बढ़ावा देने में भरपूर मदद की थी। देश को अब उम्मीद जगी है कि राज्य विधानसभा के आगामी 8 अक्टूबर को मतगणना भी इसी भावना से होगी और उसके बाद राज्य में नई सरकार का गठन बिना किसी पक्षपात या शिकायत के होगा। अब लगता तो यही है कि जम्मू-कश्मीर अपना अतीत भूलकर नया इतिहास रचने के लिए मन बना चुका है। गांधी जयंती के मौके पर राजभवन में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, "बापू हमेशा जम्मू-कश्मीर में शांति और प्रगति देखना चाहते थे। उन्होंने नयी पीढ़ी से बापू के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।" दरअसल राज्य के नौजवान भी समझ चुके हैं कि हिंसा और अशांति से उन्हें ही नुकसान होगा। इसलिए उनके हाथों में अब बंदूक और पत्थर नहीं हैं, बल्कि उनकी आंखों में शांति और आकांक्षाओं के सपने दिखाई देते हैं। आप कह सकते हैं कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र का महापर्व संपन्न हुआ है। सबसे पहले बीती मई में लोकसभा चुनाव हुए और फिर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुआ। यह भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भर में चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया है। केन्द्र शासित प्रदेश के 1.40 करोड़ नागरिकों ने संवैधानिक मूल्यों में अपनी आस्था दोहराई है और अपने मतदान के माध्यम से जम्मू-कश्मीर और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया है। यह प्रमाण है कि पिछले चार-पांच वर्षों में भयमुक्त जम्मू-कश्मीर बनाने में बड़ी सफलता मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्य, चाहे वह जमीनी स्तर पर लोकतंत्र का सशक्तीकरण हो या शांतिपूर्ण चुनाव कराना हो या विकास कार्य हो, इस बात का प्रमाण हैं कि जम्मू-कश्मीर अब विकास और खुशहाल के रास्ते पर चल पड़ा है। अब राज्य में स्कूल पूरे साल खुले रहते हैं। बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ रहे हैं। हालिया चुनावों में, उन जगहों में जमकर मतदान हुआ जिन्हें अबतक आतंकवादी संगठनों के गढ़ के रूप में देखा जाता था। तीन चरणों में क्रमशः 61.38%, 57.31% और 69.65% मतदान हुआ। जम्मू - कश्मीर में देश के अन्य भागों की तरह ही इतने भारी मतदान से साफ है कि कश्मीर की जनता भी चुनावी लोकतंत्र को गंभीरता से लेनी लगी है। उच्च मतदान दर का एक कारण यह भी हो सकता है कि घाटी में लगभग सभी राजनीतिक मतों और विचार धाराओं की पार्टियों ने चुनावों में भाग लिया। अपने स्तर पर जमात-ए-इस्लामी भी शामिल रही चुनावों में, जिसने बीते समय के दौरान राज्य में चुनावों का बहिष्कार करने की पुरज़ोर वकालत की थी। कुल मिलाकर, 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवार मैदान में थे। जमात ने स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में या इंजीनियर रशीद की अवामी इत्तेहाद पार्टी के सहयोगियों के रूप में चुनाव लड़ा। यह महत्वपूर्ण है , क्योंकि ; यह संगठन नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुख्य वैचारिक दुश्मन रहा है। सीमा पार से बार-बार आतंकवादी हमलों के कारण सुरक्षा बल, विशेष रूप से पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में, तनाव में रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा बलों की चौकसी ने निश्चित रूप से चुनाव बिना किसी हिंसा के सम्पन्न करवा दिये। यह तो मानना होगा कि जम्मू-कश्मीर तेजी से बदलत जा रहा है। राज्य में धारा 370 के हटने से पहले पत्थरबाजी की घटनाओं में सैकड़ों लोग घायल हो रहे थे और मारे जा रहे थे। सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे थे, जिसमें अब 80-85 फीसद तक की कमी आई है। धारा 370 खत्म करने के बाद केन्द्र सरकार ने घाटी में राज्य की पुरानी सभ्यता और संस्कृति को फिर से जीवित करने के लिए बड़ी योजना पर काम शुरू किया। इसके तहत आस्था के केंद्रों और आध्यात्मिक स्थलों को नया रूप दिया गया। स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के मेले और महोत्सव लगाए गये। यह मेले और महोत्सव आतंकवाद पनपने के कारण सालों से बंद थे। 2023 में नियंत्रण रेखा के पास स्थित मां शारदा देवी मंदिर का नवनिर्माण कराकर आजादी के बाद पहली बार पूजा के लिए खोला गया। सालों से बंद खीर भवानी मंदिर में फिर से दर्शन-पूजन का काम शुरू हुआ। खीर भवानी का मेला लगाया गया। इसमें पर्यटकों के साथ स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे।सरकार ने 123 पुराने स्थलों का व्यवस्थित रूप से जीर्णोद्धार और मरम्मत कराकर जनता के लिए फिर से खोल दिया। केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक हजरत बल दरगाह के विकास के लिए 42 करोड़ रुपये दिए। राज्य में जगह-जगह मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए गए। महत्वपूर्ण यह भी है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद राज्य में पंचायती राज अधिनियम 1989 को लागू किया गया। इसके तहत लोकतंत्र के तीनों स्तरों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को लागू करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाना उद्देश्य था। इसके साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के समय राज्य की पांच लोकसभा सीटों के लिए लगभग 58 फीसद मतदान हुआ। इतना मतदान राज्य में बीते कुछ लोकसभा चुनावों के समय नहीं हुआ था। श्रीनगर के बाजारों में आम-खास जनों से बात करके लगता है कि धारा 370 को राज्य का अवाम अगर पूरी तरह से भूला नहीं है, तो कम से कम उसकी चर्चा करने का उसके पास वक्त नहीं है। अब वह आगे निकलना चाहता है। उसे चाहत है अमन और रोशन मुस्तकबिल की। देश को भरोसा है कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद विकास की रफ्तार और तेज होगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मेष राशि-आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। लोगों का भरोसा आप पर बना रहेगा। आपकी इमानदारी से लोग प्रेरणा लेंगें। महिलाएं घर के काम से जल्द ही राहत पा लेंगी। आज आप दोस्तो के साथ समय बितायेंगे। कई दिनों से कहीं रुका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। बच्चो को घर के बुजुर्ग लोगों का आशीर्वाद मिलेगा। मां ब्रह्मचारिणी के आगे हाथ जोड़े, आपके सभी काम समय पर पूरे होते रहेंगे।

वृष राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगें। शिक्षकों की मदद से विद्यार्थीयों का कोई प्रोजेक्ट पूरा होगा। किस्मत का साथ आपको आर्थिक लाभ दिलायेगा। पुरानी की गई मेहनत से दुगना लाभ मिलेगा। परिवार वालो के साथ किसी धार्मिक कार्यो में शामिल हो सकते हैं, जिससे आपको अच्छा फील होगा।

मिथुन राशि-आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले थोड़े रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगें, उसमें सफलता हासिल होगी। आज आपको किसी दोस्त का भी सहयोग मिलेगा। आप नया करोबार करने की सोच रहे हैं तो किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें, आपको कोई अच्छी राय मिलेगी। बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क राशि-आज आपका दिन ठीक रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले, अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है। छात्र आज अपने करियर को लेकर कोई योजना बनायेंगें, बच्चों को सही गाइडेंस की जरूरत है। मां दुर्गा की आरती करें, आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

सिंह राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नया व्यापार शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिए शिक्षको की साहयता लेंगें, जो आपके भविष्य में बेहद काम आयेंगी। आज आपका दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है। मां ब्रह्मचारिणी को मीठे का भोग लगायें, सेहत अच्छी रहेगी।

कन्या राशि-आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर कोई आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से भी लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिए कोई नया खेल तलाश करेंगें। मां दुर्गा को नारियल अर्पित करें, सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी।

तुला राशि-आज का दिन मिली-जुली प्रतीक्रिया वाला रहेगा। आज किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा फिल होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन कोई नई डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यो की सराहना बड़े पैमाने पर होगी।

वृश्चिक राशि-आज अकारण शुरू हुई समस्याएं पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप विदेश में व्यापार करने की योजना बनायेंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगें, जिससे माता उनसे प्रसन्न रहेगी।

धनु राशि-आज आपका दिन खुशियां लेकर आया है। काम के मामलों में आप बेहद व्यावहारिक रहेंगे। आपके मन में बहुत दिनों से कोरोबार को लेकर कोई योजना चल रही है, तो आज आप उस योजना पर काम शुरू करेंगे जिससे आपको कोई बड़ा लाभ मिलेगा। आज आपकी मीठी वाणी आपके काम को जल्दी पूरा करवाने में मदद करेगी।

मकर राशि-आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। आपको दूसरों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरत है। आज बोलने से ज्यादा आपको काम पर ध्यान देना चाहिए। आज आपको अपने माता पिता के साथ समय बिताना चाहिये। संयम और धैर्य के साथ ही आपको अपने कदम आगे बढ़ाने चाहिए।

कुंभ राशि-आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। अगर आप कोई बिजनेस करते हैं, तो आपको उसे बढ़ाने के लिए थोडी और मेहनत करने की जरूरत है। आज कोई पड़ोसी आपसे किसी प्रकार की साहयता मागेंगे, जिसे आप असानी से पूरा करेंगे। लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर लम्बी बात होगी।

मीन राशि-आज आपका दिन उत्तम रहेगा। ऑफिस के किसी सहकर्मी के साथ आपको यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। आज बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा, आप अपनी पढ़ाई को लेकर पूरी तरह से अलर्ट रहेंगे आज की गई मेहनत का लाभ मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -199

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पांचवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

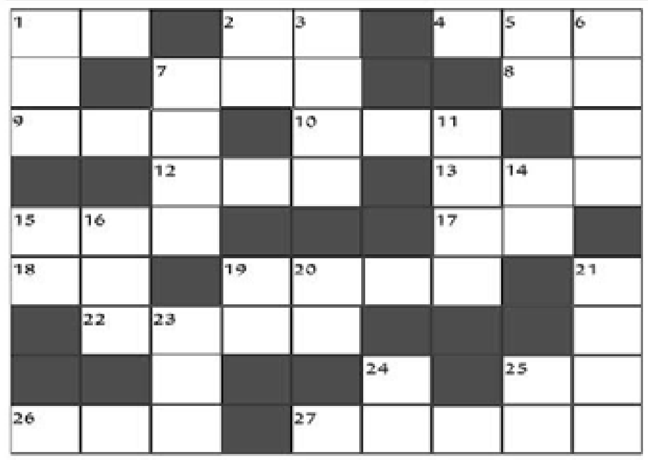

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 198 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	बा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सूडोकु नवताल- 7210

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7209 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत और श्रीलंका के बीच हो सकता है डब्यूटीसी फाइनल

मुम्बई। इस बार भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) के इस तीसरे संस्करण का फाइनल हो सकता है। भारतीय टीम पहले दो संस्करण में उपविजेता रही थी। पहली बार उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। इस बार जहां भारतीय टीम बांग्लादेश पर जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक स्थान के साथ ही फाइनल की दावेदार है जबकति श्रीलंका भी ऑस्ट्रेलिया को टक्कर देती दिख रही है। भारतीय टीम का अभी जीत प्रतिशत 74.24 है और उसे फाइनल में पहुंचने 8 में से 3 मैच ही जीतने होंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत 62.5 है और उसे 7 में से 4 मैच जीतने होंगे। श्रीलंका का जीत प्रतिशत 55.56 है और उसे 4 में से 3 मैच जीतने हैं। इंग्लैंड का जीत प्रतिशत 42.19 है और वह दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं द. अफ्रीका का जीत प्रतिशत 38.89 है और उसे 6 में से 5 मैच जीतने होंगे। न्यूजीलैंड का जीत प्रतिशत 37.50 है और उसे अपने 6 में से सभी 6 मैच जीतने होंगे। आंकड़े साफ हैं कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ही फाइनल में भारत से भिड़ने वाली दूसरी टीम होने की संभावनाएं हैं। भारत को अभी 8 में से 3 टेस्ट जीतने जरूरी है। ये लक्ष्य टीम न्यूजीलैंड को 3 टेस्ट मैच की घरेलू सीरीज में ही हराकर ही हासिल कर सकता है। जबकि श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका से 2 तो ऑस्ट्रेलिया से सिर्फ एक ही टेस्ट जीतने की जरूरत है। श्रीलंका इसलिए भी पसंदीदा है क्योंकि घरेलू धरती पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज घरेलू मैदान पर खेलनी है। डब्लयूटीसी फाइनल की रेस से अभी , इंग्लैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और विंडीज जैसी टीमें बाहर हो चुकी है हालांकि ये अन्य टीमों के लिए बाधा जरुर बन सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश दौरे पर जाना है। इस सीरीज में अगर वह हारती है तो पूरी तरह से बाहर हो जाएगी। वहीं इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड से 3 टेस्ट खेलने है। अगर न्यूजीलैंड एक टेस्ट हारा या ड्रा रहा तो वह फाइनल की रेस से बाहर हो जाएगा।

कप्तान हरमनप्रीत ने कहा- हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला

महिला टी20 विश्व कपः पहले ही मैच में भारत को न्यूजीलैंड ने 58 रनों से हराया पहली हार से हरमनप्रीत कौर को लगा धक्का, कहा- हमने ऐसी उम्मीद नहीं की थी...

दुबई,। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के पहले ही मैच में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड टीम ने भारत को 58 रनों से हराया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस हार पर निराशा जताई और स्वीकार किया कि उनकी टीम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 102 रन पर आउट हो गई, और एक भी खिलाड़ी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा कि हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला लेकिन हमें भरोसा है कि टीम आगे बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने पिच या लक्ष्य को हार का कारण नहीं बताया और कहा कि 160-170 रनों का पीछा करने की क्षमता उनकी टीम में है, लेकिन लगातार विकेट गिरने से ऐसा संभव नहीं हो पाया। अब भारतीय टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ़ अपना दूसरा मैच खेलेगी। हरमनप्रीत को उम्मीद है कि उनकी टीम इस मैच में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि यह टीम और बेहतर करने में सक्षम है। यह शुरुआत उम्मीद के मुताबिक़ नहीं थी, लेकिन हमें अब आगे बढ़ना होगा। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने अपनी जीत और टीम के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे अपनी टीम पर गर्व है। भारत जैसी विश्व स्तरीय टीम के खिलाफ़ ऐसा प्रदर्शन करना शानदार है।

युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर देंगे : मार्श

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों जेवियर बार्टलेट, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली और जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने जिस प्रकार इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उसे देखकर काफी खुशी हुई है। साथ ही कहा कि इस युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर मिलेगा। अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण टी20 सीरीज में इन युवाओं को अवसर मिला था जिसमें इन्होंने अपने को साबित किया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज के दौरान एक नई अंतिम ग्यारह को उतरा था। ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई। इमसें बार्टलेट, आरोन , कूपर और जेक फ्रेजर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को साबित किया है। जेक फ्रेजर ने इससे पहले आईपीएल 2024 में भी शानदार प्रदर्शन किया था। मार्श ने कहा कि हर खिलाड़ी के पास अपनी क्षमता दिखाने का अवसर था जो उन्होंने दिखायी। फ्रेजर को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बादपहले टी20आई से बाहर कर दिया गया था। वह दूसरे टी20आई के लिए तीसरे नंबर पर टीम में लौटे और अपनी बल्लेबाजी से सभी का दिल जीता। फ्रेजर-मैकगर्क ने इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करते हुए 30 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। इस प्रकार वह पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20आई अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। मार्श ने कहा, हम सभी जानते हैं कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क कितने शानदार खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं दी हैं और यह रोमांचक रहा है। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी न किसी स्तर पर वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए युवा खिलाड़ियों को खेलते देखना आश्चर्यजनक है।

प्रसिद्ध निशानेबाज़ मनु भाकर ने किया पहली बार मतदान

झज्जर। ओलंपिक 2024 में दो ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली प्रसिद्ध निशानेबाज़ मनु भाकर ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पहली बार मतदान किया। एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद मनु भाकर ने युवाओं से मतदान की अहमियत को समझने की अपील की। मनु ने कहा, "मतदान करना एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। इस देश के युवा होने के नाते, हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम अपने मत का सही उपयोग करें और जिसे हम बेहतर नेता मानते हैं, उसे वोट दें। हमारे छोटे-छोटे क़दम ही हमें ऊंचाइयों तक ले जाते हैं।" मनु भाकर ने पहली बार मतदान के अनुभव को साझा करते हुए कहा, "पहली बार वोट डालना मेरे लिए बहुत रोमांचक था। हमें सोचना चाहिए कि हमारा प्रतिनिधि कौन हो, और वही निर्णय हमें देश के बेहतर भविष्य की ओर ले जाएगा।" उनकी यह अपील विशेष रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणादायक है जो पहली बार वोट डाल रहे हैं। भाकर ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उनके एक-एक वोट से लोकतंत्र मजबूत होता है और यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार हो सकता है। उनका उत्साह और जिम्मेदारी का अहसास यह दर्शाता है कि युवा पीढ़ी अपने भविष्य के प्रति कितनी जागरूक है।

टी20 लीग से बर्बाद हुआ पाकिस्तान क्रिकेट : जहीर अब्बास

अजमान। पाकिस्तान के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में शामिल रहे जहीर अब्बास ने कहा है कि उनकी टीम का प्रदर्शन बदतर होने का कारण देश में बढ़ता हुआ टी20 लीग क्रिकेटर है। जहीर के अनुसार लीग क्रिकेट से काफी पैसा मिल रहा है जिससे खिलाड़ियों का ध्यान खेल से ही हट गया है। इस वजह से खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट की मूल बातें भूल गए हैं। अब्बास ने कहा कि क्रिकेट में इतना पैसा आ गया है कि खिलाड़ी इन दिनों केवल पैसा कमाने में ही लगे हैं और उनका ध्यान खेल से पूरी तरह हट गया है। जहीर अब्बास ने यूएई के अजमान में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'पाक क्रिकेट का दुर्भाग्य यह है कि इसे चलाने वाले ही क्रिकेट को नहीं जानते हैं। वहीं हमने पाक क्रिकेट को बहुत ऊंचाई पर पहुंचाया था। तब दुनिया पाक टीम को मानती थी पर आज हालात बेहद खराब हैं। अभी जो लोग क्रिकेट प्रबंधन में हैं, उन्हें सिर्फ अपनी चिंता है और क्रिकेट या खिलाड़ियों की कोई चिंता नहीं है.' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। साथ ही कहा कि इससे भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर पाकिस्तान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हम क्रिकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं। ऐसे में अगर भारत पाकिस्तान में आकर खेलता है तो यह क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा होगा। भारतीय टीम का पाकिस्तान में आकर खेलना सकारात्मक कदम होगा और इससे पाकिस्तान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। 'जहीर के अनुसर वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स दुनिया के महानतम क्रिकेटर मानते हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं क्रिकेट खेलता था तो मेरा सपना गैरी सोबर्स जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलना था। जहीर खान ने 16 साल के अपने करियर में 78 टेस्ट और 62 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने कुल 19 शतक लगाए है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खतरा बढ़ा : हैडिन

भारतीय टीम के खेलने का आक्रामक अंदाज पसंद आया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हैडिन ने कहा है कि भारतीय टीम पिछले कुछ समय में और भी बेहतर हो गयी है। ऐसे में वह बॉडर गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खतरा बढ़ गया है। हैडिन के अनुसार जिस प्रकार भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में आक्रामक रुख अपनाकर जीत हासिल की थी वैसा ही वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी कर सकती है। हैडिन ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाज ने तीन दिन में केवल एक सत्र का खेल होने के बाद भी मैच में जीत की उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम दिन मुकाबला जीत कर दी दम लिया। हैडिन ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम के खेलने का ये अंदाज पसंद आया। ये खेल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट के भविष्य के लिए भी अच्छा है। हैडिन ने कहा कि उन्होंने मैच जीतने के लिए जोखिम उठाकर पूरे प्रयास किये। उनके बल्लेबाज बल्लेबाजी तेजी से अधिक से अधिक रन जुटाने का प्रयास कर रहे थे। उनका ध्यान बांग्लादेश को आउट करने के लिए जरूरी समय बचाने पर था। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने शानदार क्रिकेट खेला, यह टीम को जीत के लिए समय देने के बारे में था। मैं इस प्रदर्शन के लिए टीम का बधाई देता हूं। हैडिन ने कहा कि रोहित ऐसे खिलाड़ी हैं। उनके लिए जीत पहले है और बाकी चीजें बाद में आती है और भारतीय टीम ने उसी जज्बे के साथ खेला और अपने लिए टेस्ट मैच जीतने का अवसर बनाया। मुझे उनके क्रिकेट खेलने का यह तरीका पसंद आया है।वहीं हैडिन से जब पूछा गया कि क्या भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी ऐसा कर सकता है तो उन्होंने कहा कि मेरा यही मानना है। भारतीय टीम को मैच हारने का डर नहीं है वह ड्रॉ नहीं बल्कि जीत चाहती है। यही टेस्ट जीतने का एक शानदार तरीका है।

मूडी ने हार्दिक की फिटनेस और प्रदर्शन पर सवाल उठाये

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या सहित कुछ खिलाड़ियों को आईपीएल में करोड़ों रुपये के स्लैब में रखे जाने पर सवाल उठाये हैं। मूडी ने पंड्या की फिटने पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आपको एक बड़ी रकम दी जाती है तो आपको मैच विजेता होना चाहिये और ये भूमिका नियमित रूप से निभानी चाहिये। इस प्रकार से मूडी ने साफ तौर पर हार्दिक की फिटनेस और प्रदर्शन पर सवाल उठाया।बीसीसीआई ने हाल ही में आईपीएल को लेकर नियमों में बदलाव करते हुए कहा था कि एक फ्रेंचाइजी छह खिलाड़ियों को साथ रख सकती है। इनमें दो खिलाड़ियों को 18 करोड़ रुपए की स्लैब में रखा गया है जबकि कुछेक को 14 करोड़ रुपए मिलेंगे। एक खिलाड़ी को 11 करोड़ मिलेंगे। इसी स्लैब पर मूडी ने आपत्ति जतायी है।मूडी ने कहा कि मेरे अनुसार 18 करोड़ की स्लैब में जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी आने चाहिये। साथ ही सवाल किया कि जब आप हार्दिक पंड्या के साथ उन सभी क्षेत्रों का आंकलन करते हैं, तो सवाल उठते हैं कि वह 18 करोड़ का खिलाड़ी बनने के लायक हैं या नहीं। इसके साथ ही इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि मुम्बई इंडियंस ने पिछले कुछ संस्करणों में अपनाई है, जिसने उन्हें मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने इशान किशन और जोफ्रा आर्चर की बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मुम्बई को नीलामी की मेज पर थोड़ी समस्या हुई है। वे कुछ मामलों में बहुत अधिक वफादार हो गए हैं और फिट नहीं हुए खिलाड़ियों को भी उन्होंने अपनी टीम में बनाए रखने या वापस लाने की कोशिश की है, जो उन्हें महंगा पड़ा है।

व्यापार

इंडिगो का बुकिंग सिस्टम हुआ फेल, उड़ान संचालन प्रभावित, एयरपोर्ट पर यात्रियों की लंबी कतारें

नई दिल्ली। एयरलाइंस इंडिगो का सिस्टम शनिवार को तकनीकी कारणों से बेहद धीमी गति से काम कर रहा है। इंडिगो के पूरे नेटवर्क में यह समस्या आई है। कंपनी के बुकिंग सिस्ट्म में गड़बड़ी के चलते उड़ान सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। इस वजह से एयरपोर्ट पर यात्रियों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एयरलाइन की बुकिंग प्रणाली दोपहर 12 बजे से प्रभावित होनी शुरू हुई, लेकिन करीब एक घंटे बाद 1.05 बजे परिचालन फिर शुरू हो पाया। हालांकि, अभी भी ये पूरी तरह से अभी काम नहीं कर रहा है। इसके चलते यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे विभिन्न एयरपोर्ट्स पर चेक-इन और सामान की जांच के लिए यात्रियों की लंबी कतारें दिख रही हैं। कंपनी ने 'एक्स' पोस्ट पर बयान जारी कर बताया है कि 'हम फिलहाल अपने पूरे नेटवर्क में अस्थायी तौर पर सिस्टम के धीमा होने की समस्या से जूझ रहे हैं। एयरलाइन ने कहा है कि इससे हमारी वेबसाइट और बुकिंग सिस्टम प्रभावित हुई है। इसकी वजह से यात्रियों को थोड़ा ज्यादा इंतजार करना पड़ रहा है। चेक इन धीमा हो रहा है और एयरपोर्ट्स पर लंबी कतारें हैं।' कंपनी ने कहा कि हमारी एयरपोर्ट टीम उपलब्ध है और सभी की सहायता करने और एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। आश्वस्त रहें, हम यथाशीघ्र स्थिरता और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए लगन से काम कर रहे हैं। कंपनी ने कहा है कि हमें हुई असुविधा के लिए खेद है। इस समय के दौरान आपकी समझदारी और धैर्य की सराहना करते हैं।

रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर राजेश्वर राव को मिला एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। यह आदेश 9 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होगा। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को 4 अक्टूबर को जारी सरकारी आदेश के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 9 अक्टूबर, 2024 से एक साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक राजेश्वर राव को फिर से आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के पद पर नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। राव को अक्टूबर, 2020 में तीन साल की अवधि के लिए रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। कोचीन विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र स्नातक और मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री प्राप्त राजेश्वर राव 1984 में रिजर्व बैंक में शामिल हुए थे। राव को नवंबर, 2016 में आरबीआई के कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत किया गया था।

जिगरा को सेंसर बोर्ड से यूए सार्टिफिकेट के साथ मिली हरी झंडी

2 घंटे 35 मिनट लंबी होगी आलिया की फिल्म की कहानी

आलिया भट्ट और वेदांग रैना अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म जिगरा में दर्शकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। अगले महीने बड़े पर्दे पर रिलीज होने से पहले इस फिल्म ने सेंसर बोर्ड की सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। फिल्म अब केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से पास हो गई है। जिगरा को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट के साथ हरी झंडी दिखा दी है। इसके साथ ही फिल्म का रन टाइम भी सामने आ गया है। सीबीएफसी की वेबसाइट के अनुसार, जिगरा को यूए

सर्टिफिकेशन दिया गया है और इसकी अवधि 155 मिनट है। इसका मतलब है कि फिल्म की अवधि 2 घंटे 35 मिनट है। आलिया भट्ट इस फिल्म की मुख्य्य भूमिका में हैं और उन्होंने करण जौहर के साथ मिलकर इस वासन बाला निर्देशित फिल्म का सह-निर्माण किया है। आगामी फिल्म में आलिया और वेदांग भाई-बहन की भूमिका निभा रहे हैं और उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों से प्रशंसा मिल रही है। ट्रेलर की शुरुआत आलिया भट्ट के किरदार को देर रात कॉल आने से होती है, जिसमें बताया जाता है कि उसके भाई अंकुर (वेदांग रैना) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उलझन और चिंता में वह उससे पूछती है कि क्या उसने कुछ गलत किया है और क्या उसका ब्लड टेस्ट साफ होगा। फिर अंकुर को एक विदेशी देश के कोर्ट रूम में देखा जाता है, जो भाषा समझने में असमर्थ है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। अपने भाई को बचाने के लिए आलिया का किरदार स्थितियों से जूझने के लिए बेताब होकर एक मिशन पर निकल पड़ता है। वह पूछती हैं कि क्या खुद को चोट पहुंचाने से अधिकारी उन्हें भाई से मिलने देंगे, लेकिन उन्हें बार-बार मना कर दिया जाता है। वह उस देश की यात्रा करती हैं, जहां उनके भाई को रखा गया है और उसे रिहा करवाने के लिए अपनी लड़ाई शुरू करती हैं। ट्रेलर में जोरदार एक्शन दिखाया गया है, जिसमें आलिया अपने भाई को बचाने के लिए साहसी स्टंट करती हैं, गार्डों से बचती हैं और महत्वपूर्ण कदम उठाती हैं, जिसे जेल में प्रताडित किया जा रहा है। हर मोड़ पर बाधाओं का सामना करने के बावजूद वह हार नहीं मानती हैं। बॉक्स ऑफिस पर जिगरा की टक्कर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगी। जिगरा फिल्म 2022 की डार्क कॉमेडी डार्लिंग्स के बाद आलिया की दूसरी होम प्रोडक्शन फिल्म है। जिगरा की आधिकारिक घोषणा के दौरान आलिया ने कहा था, धर्मा प्रोडक्शन में डेब्यू करने से लेकर अब उनके साथ एक फिल्म का निर्माण करने तक कई मायनों में ऐसा लगता है कि मैंने जहां से शुरुआत की थी, वहीं से एक चक्र पूरा कर लिया है।वासन बाला निर्देशित यह फिल्म 11 अक्तूबर, 2024 को सिल्वर स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है।

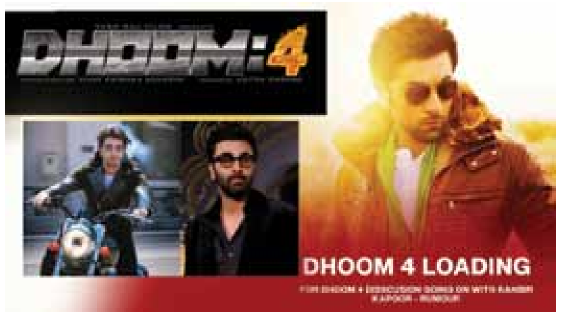

रणबीर कपूर की धूम 4 में धमाकेदार एंट्री

निभाएंगे खतरनाक विलेन का रोल

बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म फ्रेंचाइज़ी 'धूम0 को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही थीं, और अब यह तय हो गया है कि धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका निभाने जा रहे हैं. 2004 में जब आदित्य चोपड़ा ने जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के साथ धूम बनाई थी, तब इसने बॉलीवुड में एक नए तरीके की कहानी कहने की शुरुआत की थी. जॉन अब्राहम ने ग्रे शेड्स वाले किरदार को बड़े पर्दे पर बेहद कूल अंदाज में प्रस्तुत किया था. इसके बाद 2006 में रितिक रोशन और फिर 2013 में आमिर खान की एंट्री से यह फ्रेंचाइज़ी और भी सफल होती चली गई. अब रणबीर कपूर इस सीरीज़ के चौथे भाग में खलनायक के किरदार में नजर आएंगे. धूम 4 के लिए रणबीर कपूर को नकारात्मक भूमिका में लिया गया है, और यह पूरी तरह से एक रिबूट फिल्म होगी. इसका मतलब है कि पिछली फिल्मों के कोई भी मुख्य कलाकार इस बार नजर नहीं आएंगे. फिल्म में दो नए युवा सुपरस्टार्स को पुलिस की जोड़ी के रूप में कास्ट किया जाएगा. सूत्रों के अनुसार, इस बार धूम 4 सिर्फ सबसे बड़ी धूम फिल्म ही नहीं होगी, बल्कि भारतीय सिनेमा की ग्लोबल स्टैंडर्ड पर बनी एक भव्य फिल्म होगी. धूम 4 अब प्री-प्रोडक्शन स्टेज में प्रवेश कर चुकी है, और यह आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व में वाईआरएफ (यशराज फिल्म्स) के बैनर तले तैयार की जा रही है. आदित्य चोपड़ा ने पिछले सभी हिस्सों की तरह इस बार भी विजय कृष्ण आचार्य के साथ मिलकर धूम 4 की स्क्रिप्ट तैयार की है. फिल्म की कहानी और विजन को ऐसा रखा जा रहा है जिससे दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव मिल सके. रणबीर कपूर के साथ लंबे समय से बातचीत चल रही थी, और अब यह तय हो गया है कि वह इस फिल्म का नेतृत्व करेंगे. रणबीर पहले से ही धूम 4 का हिस्सा बनने में रुचि दिखा रहे थे और अब वह इसके मुख्य अभिनेता के रूप में कंफर्म हो गए हैं. सूत्रों के अनुसार, आदित्य चोपड़ा का मानना है कि रणबीर इस फ्रेंचाइज़ी को आगे बढ़ाने के लिए एकदम सही विकल्प हैं. धूम 4 की शूटिंग 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है. रणबीर कपूर फिलहाल लव एंड वॉर और रामायण 1 और 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, और इन्हें पूरा करने के बाद वह धूम 4 पर काम शुरू करेंगे. दिलचस्प बात यह है कि धूम 4 रणबीर कपूर के करियर की 25वीं फिल्म होगी और इसे वह एक खास फिल्म बनाने की पूरी तैयारी कर रहे हैं. इसके बाद वह एनिमल पार्क पर काम करेंगे, जिससे उनका यह दशक शानदार होने वाला है. यशराज फिल्म्स के पास आने वाले 5 सालों में वॉर 2, अल्फा, मर्दानी 3, पठान 2, टाइगर वर्सेज पठान और धूम 4 जैसी कई बड़ी फिल्में हैं, जो भारतीय सिनेमा में एक नई पहचान बनाएंगी. रणबीर कपूर इस दशक के अंत तक धूम 4, लव एंड वॉर, रामायण फ्रेंचाइज़ी और एनिमल पार्क जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड के शीर्ष स्थान पर अपनी जगह पक्की करने की दिशा में बढ़ रहे हैं. धूम फ्रेंचाइज़ी की बात करें तो इसकी पहली फिल्म एक कल्ट क्लासिक मानी जाती है, और इसके बाद की फिल्में धूम 2 और धूम 3 ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट दी थी.

बिग बॉस 18 में नजर आएंगी उर्फी जावेद की बहन उरुसा

निर्माताओं से बातचीत जारी

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन के साथ सलमान खान एक बार फिर से वापसी के लिए तैयार हैं।6 अक्टूबर से बिग बॉस 18 शुरू होने जा रहा है, जिसका प्रशंसक भी काफी समय से इंतजार कर रहे थे।अब तक इसके कई प्रोमो सामने आ गए हैं, वहीं निया शर्मा इस सीजन की पहली प्रतियोगी हैं।अब खबर आ रही है कि उर्फी जावेद की बहन उरुसा भी बिग बॉस 18 में नजर आ सकती हैं। कहा जा रहा है कि निर्माताओं ने कुछ दिन पहले बिग बॉस 18 के लिए उरुसा से संपर्क किया था और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है। एक सूत्र ने कहा, उरुसा बिग बॉस 18 में नजर आ सकती हैं। चीजें अभी तय नहीं हुई हैं और वह निर्माताओं के साथ बातचीत

के अंतिम चरण में हैं।अब दर्शक उन्हें शो में देखने के लिए उत्साहित हो रहे हैं। बता दें कि उरुसा साल 2021 में आया रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में नजर आई थीं, जिससे उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ।उर्फी ने हाल ही में ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। उनके करियर की पहली वेब सीरीज फॉलो कर लो यार को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।इस सीरीज में उर्फी की बहन उरुसा की भी झलक दिखी थी। उन्हें लोगों का खूब प्यार मिला था।

अदा शर्मा की नई वेब सीरीज रीता सान्याल का ऐलान

रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

अभिनेत्री अदा शर्मा आगामी सीरीज रीता सान्याल में एक वकील का किरदार निभाती नजर आएंगी और उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ एक शो में 10 भूमिकाएं निभाने का मौका मिला। अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्रशंसित लेखक अमित खान द्वारा रचित चरित्र पर आधारित है। अदा ने कहा, मैं हमेशा से रीता सान्याल जैसा किरदार निभाना चाहती थी। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे टाइपकास्ट नहीं किया गया और मुझे कुछ सराहनीय, कुछ डरावने, कुछ प्यारे किरदार निभाने को मिले। लेकिन जिस पल मैंने रीता सान्याल की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे लगा कि यह शो मेरे लिए ही है। उन्?होंने कहा कि कलाकार के रूप में हमें अलग-अलग किरदार निभाने के लिए अलग-अलग प्रोजेक्ट करने पड़ते हैं। यहां मुझे एक शो में 10 लोगों का किरदार निभाने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि इस शो में एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, रोमांच, अपराध सब कुछ है। अदा ने बताया, यह सीरीज एक लड़की के सामने आने वाली चुनौतियों का सार प्रस्तुत करती है जो एक वकील और जासूस के रूप में बड़ा नाम बनाने की कोशिश कर रही है। जो चीज इसे पहले देखी गई चीजों से अलग बनाती है, वह यह है कि रीता सान्याल कॉमिक बुक पढने जैसा है। यह मजेदार और रोमांचकारी है। इस सीरीज में राहुल देव, अंकुर राठी और माणिक पपनेजा जैसे स्टार कलाकार भी शामिल होंगे। कीलाइट प्रोडक्शंस के निर्माता और सह-संस्थापक राजेश्वर नायर ने कहा, कहानी सुनाने की कला में मुझे जो कुछ भी पसंद है, वह सब कुछ इसमें है। यह बेहद ही मनोरंजक है। यह दर्शकों को सीटों पर बांधे रखेंगी। अदा ने रीता के किरदार को सहजता से निभाया है और उसे जीवंत कर दिया है। वह एक बेहतरीन अदाकारा हैं और उन्होंने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है। कीलाइट प्रोडक्शंस के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा निर्मित रीता सान्याल 14 अक्टूबर से डिज्नी प्?लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

पर्पल साड़ी पहन गजब की खूबसूरत लगीं श्वेता तिवारी

बलखाती हुई अदाओं से फैंस के दिलों पर चला रहीं खंजर

टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। अपनी एक्टिंग, फिटनेस और खूबसूरती को लेकर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अक्सर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों पर वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। बता दें इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने पर्पल कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देते हुए फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की उम्र 43 साल हो चुकी हैं, लेकिन हॉटनेस के मामले में आज भी वो बॉलीवुड की स्टार अभिनेत्रियों को मात देती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस दो बच्चों की मां हैं। उनकी बड़ी बेटी पलक 23 साल की है। श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए रिएक्शंस देते हैं।

बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री, सनी देओल संग सीमापार दुश्मनों से लेंगे लोहा

बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के बाद अब सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री हो गई है. फिल्म बॉर्डर में सुनील शेट्टी ने शानदार काम किया था और वह फिल्म में अपने रोल में शहीद हो गए थे. अब फिल्म बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी की कमी को पूरा

करने के लिए उनके बेटे अहान शेट्टी को फौजी बनाकर उतारा गया है. बता दें, बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता, निधि दत्ता, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं. बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म बॉर्डर 2 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 23 जनवरी 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी. बता दें, 13 जून 1997 को फिल्म बॉर्डर रिलीज हुई थी, जिसे जेपी दत्ता ने डायरेक्ट किया था. बॉर्डर हिंदी सिनेमा में वॉर फिल्मों की कैटेगरी में सबसे हिट फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर आती है.

Durga Puja Preparation in Motihari In Full Swing

Sagar Suraj

MOTIHARI: AS hectic preparations for Durga Puja are on in Motihari with over one dozen massive pandals being erected in the city, District Magistrate (DM) Saurabh Jorwal and Superintendent of Police (SP) Swarn Prabhat, East Champaran hit the pandals on Saturday and supervises the securities of devotees, which is expected in lakhs in this festival. DM and SP jointly issued many directives and guidelines to control the crowd and streamline traffic arrangements in the city. It seems like the authorities are taking serious measures to ensure safety and smooth operations during the upcoming festivities. SP Swarn Prabhat has instructed the Puja committee to set up a proper miking system and designate separate entrances for women devotees within the pandals. This is a great step towards maintaining order and respect for all attendees. Additionally, traffic police have been tasked with promptly clearing any traffic congestion and streamlining vehicle flow. To further enhance security, crowded areas have been identified, and a substantial number of police personnel have been deployed near the pandals. In a bid to ensure peaceful Durga Puja, the police, district administration and the fire department, have issued necessary instructions to the organizers With the festival beginning on 3 October and is scheduled to conclude on October 13, artists are engaged in giving the final shape to idols of Goddess Durga and demon king Mahishasur round the clock at various pandals in the city.

Raza Bazar, Chhatauni, Mina Bazar, Raghunathpur, Bada Bariyarpur, Station, Kachhari are supposed to be prime Puja Padals locations, where lakhs of devotees throng specially on " Asthami" and Nawami every years and became reason of traffic snarl up. Bhawani Mandap is the oldest Puja location in the city which was started by the Bengali community years ago.

This year devotees will witness some exquisite idols of Goddess Durga and Mahisasur being made in Bangala style and oriental style. These idols will also be seen giving the message of world peace. Several artisans, mostly from West Bengal, are engaged in giving the final touch to the idols. The list of some sensitive puja pandals have also been prepared by the cops. A number of devotees visit the puja pandals from Saptami to Vijaya Dashmi to pay their obeisance every year. Organizers have been asked to prepare the list of volunteers who could keep a close vigil on suspicious looking persons and objects etc. to foil any untoward incident. Several prominent roads leading from Kachhari- Chandmari, Janpool to Chhatauni and Balua to Mina Bazar road via hospital are facing traffic congestion, which have become a cause of concern for the organizers.

"Puja committee has been instructed to set up a proper miking system and designate a separate entrance for women devotees within the pandals and police personnel engaged in traffic are instructed to clear the traffic snarl up if any and streamline them immediately. All the crowded locations have been identified and huge numbers of police personnel have been deployed nearby pandals"

SP Swarn Prabhat

Two arrested including tempo driver in robbery case in Ramgarhwa

RAMGRHWA: Tempo driver and one other was arrested in Ramgargwa loot case. The tempo was used in the robbery of the Munshi of the oil businessman of Sugauli on Thursday.

The police recovered it and arrested the driver and another person. In case number 243/24, tempo driver cum owner Sohan Kumar age 24 years, son of Kailash Ram Murla resident and Bhole Shankar Ram age 22 years, son of Bidaram Sugauli Belvatiya resident have been arrested. In this case, apart from a tempo, the criminals also had a bike. The criminals fled on the bike after snatching the businessman's bag. The police first caught the tempo driver and raided Belwaiteya locality on his information. Confirming the news, Ramgarhwa SHO Amarjeet Kumar said that other criminals will also be arrested soon. Additional police station in-charge Vivek Kumar, Ajit Singh, Krishna Rai, Shivam Kumar, Priya Kumari were included in this raid team.

MGCU scholar selected as Library Assistant in Allahabad University

BNM @Motihari

MOTIHARI : Research scholar Anubhav Kumar Suman and former student Saket Sundaram of the Department of Library and Information Science of Mahatma Gandhi Central University have been selected for the post of library assistant in Allahabad University at Prayagraj.

While congratulating and wishing Anubhav Kumar Suman and Saket Sundaram, Vice Chancellor of MGCU University, Prof. Sanjay Srivastava said that this is a matter of happiness for the university. Our students are continuously succeeding in getting employment at higher positions due to their hard work and dedication, which is also the result of the hard work of the teachers of the university along with the students. He also congratulated the Chairman of the Department of Library and Information Science, Prof. Ranjit Kumar Chaudhary and the teachers.

Director and Head of Department of Mahatma Buddha Campus, Prof. Ranjit Kumar Chaudhary congratulated Anubhav Kumar Suman and Saket Sundaram and described them as extremely hardworking. Prof. Chaudhary said that this achievement will be an inspiration for other researchers and students. Department teachers Dr. Madhu Patel and Dr. Sapna have also congratulated and wished him. Anubhav Kumar Suman and Saket Sundaram attributed their achievement to their teachers, parents, friends and well-wishers. Both believe that hard work and discipline are necessary for success.

NEXT MEETING WILL BE WITH YOU AT THE CHIEF MINISTER'S RESIDENCE... ANIL VIJ'S STATEMENT AMIDST VOTING

Ambala: BJP candidate from Ambala Cantt assembly constituency Anil Vij cast his vote for Haryana assembly elections. Anil Vij said that the government will be formed by BJP and the person whom the party wants will become the Chief Minister. If the party wants me, then the next meeting will be with you at the Chief Minister's residence... I am the most senior leader.

This statement came when the election voting was going on in Haryana, and his confident statement is being seen as a sign of BJP's possible return to power. Let us tell you that former Home Minister of Haryana Anil Vij has already staked claim to the post of Chief Minister.

Voting for the assembly elections in Haryana has started from Saturday morning, where voters will choose their representatives on all 90 seats of the state. According to the Election Commission, 9.53% voting took place on all 90 seats till 9 am.

SHO Ramgarhwa held a meeting with CSP operators

Ramgarhwa : After the robbery of a CSP operator in Ramgarhwa, SHO Amarjeet Kumar held a meeting with CSP operators in Ramgarhwa police station office on Saturday. In this meeting, along with the CSP operators of nationalised banks, shopkeepers who do transactions with Aadhar card also participated. Raxaul SDPO Dhirendra Kumar, who came to the meeting, told all the CSP operators to inform the police station while taking cash from the Bank and carrying it . He told that on giving information, the police will provide them security while taking cash. Along with this, CSP operators have also been instructed to extra precautions. It was said that there is a need to keep a special eye on the customers coming and going during the opening and closing of the bank. On this occasion, the SDPO instructed the SHO to send a letter of three instructions for the security to the CSP. In which there is an instruction to install a channel gate in the CSP, install CCTV camera and inform the SHO about withdrawing money from the bank. Keeping the security aspect in mind, the SDPO has directed to install channel gate and CCTV in the CSP within 48 hours. The police will take action to close the CSP that does not follow this instruction. On this occasion, the police station in-charge registered the list of mobile numbers and addresses of CSP operators under the police station area . He instructed them to create a WhatsApp group. He also asked to add the police station in-charge's number in it. This will enable quick exchange of information.

MOTIHARI MS COLLEGE WILL BE UPGRADED IN NEXT NAAC VISIT- PRINCIPAL

Munshi Singh College, Motihari - a constituent unit of Baba Saheb Bhimrao Ambedkar (BRA) Bihar University, Muzaffarpur (Bihar) has always been first choice for students across the north Bihar and Nepal ever since it was founded in 1945. It was annexed with BRA Bihar University in 1980 and produced lakhs of students, who are making waves across the country in various government and private sectors. Newly appointed Principal Prof (Dr) Mrigendra Kumar shared his vision on how he will maintain the glories of this premier center of higher education in Motihari on Saturday. Excerpts from an interview with Sagar Suraj and Niraj Anand.

Question 1. After assuming the post of Principal of this most prestigious college of this district, what would you say about your new responsibility?

Answer: My honest effort will be to take this college on the path of development so that this college is counted at the national level and the glories of this college will be maintained.

Question 2. What new plans do you have to improve the academic environment and infrastructure of the college?

Answer- I have planned that apart from regular class teaching, we should organize sports, drama competition, essay competition and other social activities and reward the students who excel. We have to increase the facilities of drinking water and toilets at various places. I will try to do better by working on education.

Question 3. How will the lack of co-ordination between the college administration and students be reduced?

Answer - There has been a lack of coordination from time to time. My effort is to remove this. The university has started student dialogue. I will try to remove this deficiency by doing student dialogue through active faculty members and by immediately resolving all the problems of the children.

Question 4. Despite continuous efforts by the government and the university, the attendance of students in class is being recorded low. How will this be improved?

Answer- I will try to improve this by calling a monthly meeting of parents and students. I will inform the parents of those students who do not attend classes regularly through phone and WhatsApp massages and will motivate the students to attend classes regularly.

Question 5. How will transparency be ensured in written exam, seminar quiz and 75% attendance in undergraduate and postgraduate classes? Will the department-wise list of present and absent students be made public on weekly, fortnightly or monthly basis?

Answer- Yes. As per the instructions of the university, students who do not have 75% attendance will be deprived of appearing in the final examination. The list of present and absent students will be made public on a monthly basis.

Question 6. How will campus placements of students of traditional courses, management and other technical subjects be improved?

Answer- This is a problem. Recently, on the initiative of the university, the college has sent an invitation letter to TCS Company for placement and agencies will be contacted to ensure placements of students.

Question 7. This time the NAAC grading has gone from B to C, whereas it should have been from B to A. Where were the shortcomings due to which this has happened?

Answer- There has been a lack of teaching-learning process, modern smart class rooms, modern library, number of class rooms, etc. due to which this happened. I am trying to remove all the deficiencies with renovation of the college and other necessary teaching-learning material, smart class rooms, modern library, online enrollment, online for CLC, etc., so that when the next NAAC grading takes place, Munshi Singh College gets an A grade. For this, I have already made full preparations.

WORK ON THE RING DAM, A JOINT PROJECT OF BIHAR AND UP, IS INCOMPLETE, SITABDIARA IS SUBMERGED

- *Rajiv Pratap Rudy met UP Chief Secretary in Lucknow for quick solution*
- *The work of ring dam in UP is incomplete due to dispute in court*
- *Court case in UP, Sitabdiara submerged in Bihar*

New Delhi: To save JP's village from floods and erosion, Saran MP and former Union Minister Rajiv Pratap Rudy took a big initiative in 2018, under which the foundation of the joint project of Bihar and UP, Ring Dam, was laid. Not only the area of Bihar but also the villages of UP were included in this. With the efforts of the MP, a project of Rs 125 crore was made to save both UP and Bihar parts of JP's village. Under this, the construction of the ring dam was completed on the banks of Ghaghra in a total of four km in the Bihar border with a total budget of Rs 85 crore. At the same time, about two hundred meters of work of Uttar Pradesh's part is pending due to the court case. Now MP Rudy has once again intensified his efforts to get this dam completed. In this context, the MP met the Chief Secretary of Uttar Pradesh Government Manoj Kumar Singh in his office in Lucknow. It is known that the existence of Sitabdiara, the birthplace of Jayaprakash Narayan, the leader of the entire movement, was on the verge of extinction in the year 2017. Due to the continuous erosion of the Saryu river, one by one the concrete houses were getting submerged in the river. At such a time, due to the meaningful efforts of MP Rudy, a decision was taken to build a joint project of Bihar and UP for the ring dam and in the year 2019, this dam was completed on the Bihar side, which prevented erosion. Former Union Minister cum MP Rudy told the Chief Secretary that due to the incomplete work of the ring dam in the UP part, Sitab Diara has been submerged due to floods. Flood water has reached the JP Trust of Sitab Diara. Due to the incomplete ring dam on the Uttar Pradesh side, water has also entered Rameshwar Tola of Sitab Diara. Due to water entering the fields of Rameshwar Tola of Sitab Diara, the crop has been destroyed. Water has reached the road up to the JP Trust. The state government is also a party in the court case, so assuring the MP on behalf of the state government, the Chief Secretary said that this dispute will be settled soon. It is known that the work of the ring dam in the UP border was to be completed in two months in which a total of 40 crore rupees were to be spent. But the work is stalled in about two hundred meters near Athgaon village of Ballia due to the local land donor going to court.